# UNIVERSITY OF DELHI

**DEPARTMENT : HINDI**

**COURSE NAME: BA (Hons.) HINDI**

**(SEMESTER -I)**

Based on
Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)
(Effective from Academic Year 2022-23)

DSC & GE

| Course Title | Nature of the Course | Total Credits | Components | | | Eligibility Criteria/ Prerequisite | **Contents of the course and reference is in** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाव्य | DSC | 4 | 3 | 1 | 0 | As per the rules of Delhi University | Annexure-I |
| हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल) | DSC | 4 | 3 | 1 | 0 | | Annexure-II |
| हिंदी कहानी | DSC | 4 | 3 | 1 | 0 | | Annexure-III |
| हिंदी का वैश्विक परिदृश्य **अथवा** हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन **अथवा** हिंदी में व्यवहारिक अनुवाद | GE | 4 | 3 | 1 | 0 | | Annexure-IV |

सेमेस्टर 1

# हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)
# Core Course - (DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स (DSC) 1

## Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

## Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेश – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है।

## Unit 1

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय

**कवित्त** (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।
  .....
  किहि थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय

**दूहा** (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।
  .....
  प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह् हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।



हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान।।

बानबेध समय

**पद्धरी** (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उभ्भरे अंग अंतर विराज।।

.....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय

**कवित्त** (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

.....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम।।

Unit 2

विद्यापति – सं. डॉ. शिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**वंशी माधुरी**

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

.....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

**रूप वर्णन**

- देख–देख राधा–रूप अपार

.....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

**पद–14**

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

.....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

**पद–24**

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

.....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास (नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

**साखी** : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक

विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45



हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

पद संख्या – 378,400

Unit 4

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

# हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
## Core Course - (DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स 2

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ



हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेश गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

# हिंदी कहानी

## Core Course - (DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स 3

Course Objective (2-3)

हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
कहानी विश्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

Unit 1

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेश्वर – प्रेमचंद

Unit 2

तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3

वारिस – मोहन राकेश
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4

दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाश वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र



हिन्दी - विभाग
हिन्दी विश्वविद्यालय

हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

## Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोश

## Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

## Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

## Keywords

कहानी

# DEPARTMENT OF HINDI

Category-I

## BA (HONS.) HINDI

# हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Componets | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य | कोर कोर्स (DSC) 4 | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

Course Objective

- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन समयावधि की साहित्यिक स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन – विश्लेषण की जानकारी देना

Course learning outcomes

- हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit 1 — 10 घंटे

गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस,
(सुन्दर काण्ड )
गीताप्रेस, गोरखपुर

Unit 2 — 10 घंटे

सूरदास : भ्रमरगीतसार : (संपादक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी , नई दिल्ली)

पद संख्या – (4,7,21,22,23,24,25,37,52,76,85)

Unit 3 — 10 घंटे

केशवदास – रामचंद्रिका : वन–गमन वर्णन

बिहारी – बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार'
(शिवाला, वाराणसी)
छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347

Unit 4 — 15 घंटे

घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र;
(वाणी वितान; बनारस–1)
सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41)

भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512

## References


- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा, डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद शास्त्री
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उतरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, भाग – 6 – संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र


## Additional Resources:


- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन


## Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

## Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

## Keywords

मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

# हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Componets | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) | कोर कोर्स (DSC) 5 | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

## Course Objective

– साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
– साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
– साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

## Course learning outcomes

– विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
– साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है।
– साहित्येतिहास के बिना साहित्य–विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

## Unit 1

10 घंटे

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

## Unit 2

10 घंटे

- कथा साहित्य का विकास
- नाटक का विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका)
- आलोचना का विकास

Unit 3 10 घंटे

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उतर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

15 घंटे

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और सांहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मितामूलक विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References


1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक –नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी


additional Resources:


शिवसिंह सरोज – शिवसिंह सेंगर
हिंदी नवरत्न – मिश्र बंधु
समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
हिंदी नाटक : नयी परख – संपादक – रमेश गौतम
कथेतर – माधव हाड़ा
भारतेन्दु प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
छायावाद – नामवर सिंह
कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ) – संपादक – अज्ञेय
हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य–स. श्यौराज सिंह 'बेचैन'
आधी दुनिया का सच–कुमुद शर्मा
आदि–धर्म–रामदयाल मुंडा

आदिवासी साहित्य की भूमिका–गंगा सहाय मीणा

## Teaching learning process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन–अध्यापन, समूह–परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

## Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

## Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

# हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Componets | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ | कोर कोर्स (DSC) 6 | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

## Course Objective

– अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
– गद्य–विधाओ की विश्लेषण पद्वति
– प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओ का अवलोकन

## Course learning outcomes

– कथेतर साहित्य का परिचय
– विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
– प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

## Unit 1

इकाई – 1 निबंध 10 घंटे

बालकृष्ण भट्ट – जातियों का अनूठापन (नेशनल चार्टर)
(भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

## Unit 2

10 घंटे

इकाई – 2 निबंध

रामचंद्र शुक्ल – करूणा
हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

## Unit 3

10 घंटे

इकाई – 3 जीवनी एवं व्यंग्य

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग –1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

## Unit 4

15 घंटे

इकाई – 4 संरमरण एवं यात्रा–वृतांत

संरमरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

## References


- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन – सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध – सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भरतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोतर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल वसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा


## Teaching learning process

## Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

## Keywords

सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

## Category-IV

## COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

### पटकथा और संवाद लेखन

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| पटकथा और संवाद लेखन | GE/ Language | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

Course Objective

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course learning outcomes

- पटकथा क्या है समझेंगे।
- पटकथा और संवाद में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

Unit 1 — 10 घंटे

- पटकथा अवधारणा और स्वरूप
- पटकथा लेखन के तत्व
- पटकथा लेखन की प्रक्रिया

Unit 2 — 10 घंटे

- फीचर फिल्म की पटकथा
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा
- धारावाहिक की पटकथा

Unit 3 — 10 घंटे

- संवाद लेखन की प्रक्रिया
- संवाद लेखन की विशेषताएँ
- संवाद संरचना

Unit 4 — 15 घंटे

– टी.वी. धारावाहिक का संवाद लेखन
– डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन
– फीचर फिल्म का संवाद लेखन

## References


पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन


## Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

## Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन


## Keywords
सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड


Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

## भाषा और समाज

Generic Elective – (GE) /Language

# Core Course - (GE) Credits : 4

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| भाषा और समाज | GE/ Language | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

Course Objective

- भाषा और समाज के अंतस्संबंध की जानकारी
- समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
- सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course learning outcomes

- समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन
- सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
- भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1 10 घंटे

भाषा और समाज का अंतसंबंध
समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
भाषा और सामाजिक व्यवहार

Unit 2 10 घंटे

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय
भाषा और समुदाय
भाषा और जाति

Unit 3 10 घंटे

भाषा और वर्ग
भाषा अस्मिता और जेंडर
भाषा और संस्कृति

Unit 4 15 घंटे

भाषा सर्वेक्षण
भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

## References


भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांण्डेय
सांझी सांस्कृतिक विरासत के आईने में भारतीय साहित्य – मंजु मुकुल, हर्ष बाला


## Additional Resources:


Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
Socio Linguistics – R. A. Hudson
An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
The Shadow of Language – George Yule


## Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

## Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

## Keywords

भाषाविज्ञान के पारिभाषित शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

# हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास | GE/ Language | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC |

## Course Objective

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर गई है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएँ लाँघ ली है। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा।

## Course learning outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगेः
2. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा
3. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
4. कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है
5. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ–साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है।
6. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से लेकर वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्याार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
7. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

Unit 1 हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका 10 घंटे

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

Unit 2 हिंदी भाषा का क्षेत्र एंव विस्तार 10 घंटे

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ

- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप

Unit 3 लिपि का इतिहास 10 घंटे

- भाषा और लिपि का अंतस्संबंध
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि–लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4 देवनागरी लिपि 15 घंटे

- देवनागरी लिपि का परिचय एंव विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

References


1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा


Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

**CATEGORY-II**

**BA (PROG) WITH HINDI AS MAJOR**

# हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल) | कोर कोर्स (DSC) 3 | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC-I |

## Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

## Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

## इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

## इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

## इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

## इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

## References


1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी


## Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

## Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

# हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| **हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा** | कोर कोर्स (DSC) 4 | **4** | **3** | **1** | **0** | **DSC-II** |

## Course Objective

– भारत के मौखिक साहित्य और लोक–परम्परा का अवलोकन

– लोक–जीवन और संस्कृति की जानकारी

– पर्यटन और संगीत–नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

## Course Learning Outcomes

– मौखिक साहित्य का परिचय

– प्रमुख रूपों का परिचय

– संस्कृति और लोक–जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

## इकाई–1 10 घंटे

### मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

## इकाई–2 10 घंटे

## लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

**निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :**

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती–कुमाउनी; कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पु. 801–802

## इकाई–3 10 घंटे

## लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

– विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक,

सारंग – सदावृक्ष, बिहुला

– राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461–462

– अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187–188

## इकाई–4 15 घंटे

### लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

## References


1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरीः विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. क्विता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन–हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका–चौमासा


## Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

## Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

**CATEGORY-III**

**BA (PROG) WITH HINDI AS NON-MAJOR**

# हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

| COURSE | Nature of the Course | Total Credit | Components | | | Eligibility Criteria / Prerequisite |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | |
| **हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)** | कोर कोर्स (DSC) 3 | 4 | 3 | 1 | 0 | DSC-I |

## Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

## Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

## इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

## इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

## इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

## इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

## References


1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी


## Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

## Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

# N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

**Add the following:**

**Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.**

## DEPARTMENT OF HINDI

## बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

### भारतीय साहित्य

### Core Course – (DSC) Credits: 4

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| भारतीय साहित्य | कोर कोर्स (DSC7) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

**सेमेस्टर – 3**

**हिंदी नाटक एवं एकांकी**

**Core Course – (DSC) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी नाटक एवं एकांकी | कोर कोर्स (DSC8) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

**सहायक ग्रंथों की सूची:**

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

**सेमेस्टर – 3**

**सामान्य भाषा विज्ञान**

**Core Course – (DSC) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| सामान्य भाषा विज्ञान | कोर कोर्स (DSC9) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

**इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

**इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान** **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

**इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान** **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

**इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान** **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

**सेमेस्टर – 3**

**हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा**

**Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा | डीएसई (DSE1) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

**इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)**

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

**इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)**

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

**इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)**

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

**इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)**

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

## सेमेस्टर – 3

## राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

## Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा | डीएसई (DSE2) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

**सेमेस्टर – 3**

**रचनात्मक लेखन**

**Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| रचनात्मक लेखन | डीएसई (DSE3) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

**इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत (12 घंटे)**

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

**इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा (09 घंटे)**

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

**इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन (12 घंटे)**

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

**इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली


**COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES**

**The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.**

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**

**सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4**

**हिंदी कथा साहित्य**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी कथा साहित्य | (DSC) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4**
**जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष) | (DSC) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

**इकाई – 3**

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

**इकाई – 4**

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

**BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR**

**सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4**

**हिंदी कथा साहित्य**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी कथा साहित्य | (DSC) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

**इकाई – 2** **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

**इकाई – 3** **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

**इकाई – 4** **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी विषय के साथ 12वीं पास | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | — | हिंदी विषय के साथ 10वीं पास | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV**
**GE / Language – क्रेडिट 4**
**हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'**

| Course | Nature of Course | Total Credit | Component | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग' | जीई / भाषा (GE) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी विषय के साथ 08वीं पास | Nil |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

**इकाई – 1** **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

**इकाई – 2 : कहानी** **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

**इकाई – 3 : निबंध** **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ** **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

# हिंदी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

## सेमेस्टर –IV

## बी.ए.ऑनर्स (हिंदी)

### भारतीय काव्यशास्त्र

### Core Course – DSC10

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| भारतीय काव्यशास्त्र(DSC10) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोधकराना।
2. काव्य-चिंतन के विभिन्नसंप्रदायों से अवगतकराना।
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवंछंदों की संरचना से परिचितकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतनपरंपरा से अवगतहोसकेंगे।
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोगकरसकेंगे।
3. पारंपरिकऔरआधुनिककाव्य-विवेक केनैरंतर्य की समझ समृद्धहोगी।

**इकाई–1(12 घंटे)**

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्यभरतमुनि से पंडितराजजगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्तपरिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

**इकाई–2(12 घंटे)**

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

**इकाई –3(12 घंटे)**

- रसः स्वरूप, अवयवऔरभेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

**इकाई–4(9घंटे)**

- **शब्द-शक्ति:**अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- **अलंकार:** शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- **छंद:**समवर्णिक–सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक –चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक –बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक –कुंडलिया, छप्पय

**सहायकग्रंथ:**


1. रस-मीमांसा–आचार्यरामचंद्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. साहित्य-सहचर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
3. रस-सिद्धांत–डॉ. नगेंद्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (भाग2) –डॉ. नगेंद्र, ओरियंटलबुकडिपो।


## सेमेस्टर –IV
## आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
## Core Course–DSC11

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (DSC11) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):**

1. आधुनिक हिंदी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
2. खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):**

1. तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
2. स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिंदीभाषा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
3. कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**इकाई –1 (12 घंटे)**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र –नए जमाने की मुकरी (संपादन 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त– 'भारत-भारती' के भविष्यत खंड (92-98)से कवि शिक्षा (106-111)
  (भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984)

**इकाई –2(12 घंटे)**

- रामनरेश त्रिपाठी– पथिक: प्रथम सर्ग से – 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक(हिंदी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद –पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड1,संपादक –रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन)

**इकाई –3 (12 घंटे)**

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  (निराला रचनावली, खंड1, संपादक –नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत –द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  (सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, संपादक – कुमार विमल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**इकाई –4(9घंटे)**

- महादेवी वर्मा – पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  (महादेवी रचना संचयन, संपादक–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  (स्वतंत्रता पुकारती, संपादक– नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**सहायकग्रंथ:**


1. भारतेंदु रचना संचयन, संपादक–गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदीनवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद।
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्रशाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, राजस्थान।
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV
## हिंदी उपन्यास
## Core Course–DSC12

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी उपन्यास (DSC12) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):**

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
2. प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
3. कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
4. उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**इकाई –1 (12 घंटे)**

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास

**इकाई –2(12 घंटे)**

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान–श्रीनिवासदास,प्रेमचंद, जैनेंद्र,अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, धर्मवीर भारती, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी, मंजुल भगत,चित्रा मुद्गल।

**इकाई –3 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद– कर्मभूमि

**इकाई –4(9घंटे)**

- श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी

**सहायक ग्रंथ:**


1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास – (संपादक) भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद: एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी उपन्यास –(संपादक) नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV
## हिंदी लोकनाट्य
## Elective Course –DSE4

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी लोकनाट्य(DSE 4) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):**

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।
3. हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1** **(12घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

**इकाई – 2(12घंटे)**

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय: रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

**इकाई– 3: पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)**

- नलदमयंती – सांग (लखमीचंद)

**इकाई– 4 : पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)**

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

**सहायक ग्रंथ:**


1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य–वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली– (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य–जगदीशचंद्रमाथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य–श्याम परमार,लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन।

## सेमेस्टर –IV
## पर्यावरण और हिंदी साहित्य
## Elective Course – DSE5

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

**इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)**

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

**इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)**

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

**इकाई 3 :कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)**

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) :फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

**इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)**

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

**सहायक ग्रंथ:**


1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

## सेमेस्टर –IV
## जनसंचार माध्यमऔर तकनीक
## Elective Course – DSE6

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| जनसंचार माध्यम और तकनीक (DSE6) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

10. विद्यार्थियोंकोजनसंचार माध्यमों के विस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
11. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
12. जनसंचार माध्यम और तकनीकसे जुड़ी आचार संहिताओं काबोधकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
2. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
3. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

**इकाई–1:जनसंचार : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)**

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषाव स्वरूप
- जनसंचारकेउद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

**इकाई–2 : जनसंचार केमाध्यम (12 घंटे)**

- प्रिंट ,रेडियोऔरटेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशलमीडिया–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्सतथा अन्यमाध्यम

**इकाई–3 :जनसंचार :तकनीकी पक्ष(12घंटे)**

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग

- न्यू मीडिया

**इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (9 घंटे)**

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

**सहायकग्रंथ:**


1. भूमंडलीकरण और मीडिया –कुमुदशर्मा।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी।
3. जनसंचार – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
4. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख।
5. इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार।
6. सोशलनेटवर्किंग: नएसमयकासंवाद–(संपादक)संजयद्विवेदी।
7. वर्चुअलरिएलिटिऔरइंटरनेट- जगदीश्वरचतुर्वेदी।
8. सोशलमीडियाऔरब्लॉगलेखन–स्नेहलता।
9. नएमाध्यम, नईहिंदी–प्रो. हरिमोहन।
10. सोशल मीडिया–स्वर्ण सुमन।
11. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा।
12. संचारक्रांतिऔरबदलतासामाजिकसौंदर्यबोध–कृष्णकुमाररत्तू।

## सेमेस्टर –IV
## ब्लॉग लेखन
## GE Hindi Course – GE7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| ब्लॉग लेखन (GE7) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रमकाउद्देश्य (Course Objective):**

1. ब्लॉगकेविकासकेसाथ-साथभाषा, समाजऔरसंस्कृतिकीजानकारी देना।
2. ब्लॉगलेखनकेविभिन्नप्रभावोंकाअध्ययनकरना।

**पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. ब्लॉगलेखनऔरसमाजकेसंबंधकीव्यावहारिकजानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉगलेखनकेमाध्यमसेसामाजिक, सांस्कृतिकसमझविकसित होगी।

**इकाई –1 : ब्लॉगलेखन: अवधारणा(12 घंटे)**

- ब्लॉगकास्वरूप
- ब्लॉगलेखनकाविकास
- ब्लॉगलेखन: भाषा, समाजऔरसंस्कृति
- ब्लॉगलेखनकाप्रभाव

**इकाई –2 : ब्लॉगलेखन : व्यक्तिऔरसमाज(12 घंटे)**

- ब्लॉगलेखनऔरव्यक्तिरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरसामाजिकरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरजनभागीदारी
- ब्लॉगलेखनऔरसोशलमीडिया

**इकाई –3 : ब्लॉगलेखनकेप्रकार(12 घंटे)**

- साहित्यिक-सांस्कृतिक
- राजनीतिक-सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूदएवंअन्य

**इकाई –4: ब्लॉगनिर्माण(9घंटे)**

- भाषाएवंसंरचना
- ब्लॉगनिर्माणकीप्रक्रिया
- किसीविशिष्टविषयपरब्लॉगलेखन

**सहायक ग्रंथ:**


1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. इंटरनेट जर्नलिज़म–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन,जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन,भारत।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास,रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

## सेमेस्टर –IV

## हिंदीभाषाऔरविज्ञापन

## GE Hindi Course – GE8

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी भाषा और विज्ञापन (GE8) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. विद्यार्थियोंकोविज्ञापनकेविस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
2. विज्ञापनभाषाकेस्वरूपऔरविशेषताओंकाबोधकराना।
3. विभिन्नमाध्यमोंकेलिएविज्ञापनकॉपीलेखनकाअभ्यासकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विज्ञापनलेखनके मध्यम सेभाषा-दक्षताविकसित होगी ।
2. विज्ञापननिर्माणकीपूरीप्रक्रियाकोसमझ सकेंगे ।
3. विज्ञापनबाज़ारमेंविभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे ।
4. कॉपीलेखनके कार्य में सक्षम हो सकेंगे ।

**इकाई– 1 : विज्ञापन : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)**

- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषाऔरमहत्त्व
- विज्ञापनकेउद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापनकेप्रमुखप्रकार
- विज्ञापनकेप्रभाव

**इकाई–2 : विज्ञापनमाध्यम(12 घंटे)**

- विज्ञापनमाध्यमचयनकेआधार
- प्रिंट, रेडियोऔरटेलीविज़नके लिए विज्ञापन
- डिजिटलविज्ञापनतथाआउटऑफ़होमविज्ञापन–होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइनबोर्ड
- सोशलमीडियाविज्ञापन–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, सोशलनेटवर्किंगसाइट्स

**इकाई–3 : विज्ञापनकीभाषा(12 घंटे)**

- विज्ञापनकीभाषाकास्वरूपएवंविशेषताएँ
- विज्ञापनकीभाषा-शैलीकेविभिन्नपक्ष–सादृश्यविधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, भाव-भंगिमा (बॉडीलैंग्वेज)

- विज्ञापनस्लोगनएवंपंचलाइन

**इकाई–4: विज्ञापन: कॉपीलेखन(9घंटे)**

- विज्ञापनकॉपीकेअंग
- प्रिंटमाध्यम: लेआउटकेविविधप्रारूप
- वर्गीकृतएवंसजावटीविज्ञापन-निर्माण
- रेडियोजिंगललेखन
- टेलीविज़नविज्ञापनकेलिएकॉपीलेखन

**सहायकग्रंथ:**


1. जनसंपर्क, प्रचारऔरविज्ञापन–विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन,जयपुर।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी,नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. डिजिटलयुगमेंविज्ञापन–सुधासिंह, जगदीश्वरचतुर्वेदी, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. विज्ञापनकीदुनिया–कुमुदशर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विज्ञापन: भाषाऔरसंरचना–रेखासेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विज्ञापनऔरब्रांड – संजयसिंहबघेल,सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली।
7. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV

## BA (Prog.)With Hindi as MAJOR

## अन्य गद्य विधाएँ

## Core Course – DSC7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| अन्य गद्य विधाएँ (DSC7) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई –2 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई –3(12 घंटे)**

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई –4(9घंटे)**

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ:**


1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV
## किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र
## Core Course – DSC8-A

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

**इकाई – 1 : कविताएं (12 घंटे)**

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

**इकाई – 2: नाटक (12 घंटे)**

- नीलदेवी

**इकाई – 3: निबंध (12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

**इकाई – 4 : विविध (9 घंटे)**

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

**सहायक ग्रंथ:**


1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV

## किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद

## Core Course – DSC8-B

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-B) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
2. जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. जयशंकर प्रसाद के लेखन-दृष्टि की गंभीर समझ विकसित होगी।
2. छायावाद और राष्ट्रीय आंदोलन के आपसी संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का ज्ञान प्राप्त होगा।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- कविताएँ – बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

**इकाई –2(12 घंटे)**

- कहानियाँ – आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**इकाई–3(12 घंटे)**

- नाटक – अजातशत्रु

**इकाई–4 (9 घंटे)**

- निबंध – यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**सहायक ग्रंथ:**


1. प्रसाद रचना संचयन – (संपादक) विष्णु प्रभाकर और रमेश चंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी।
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद।
4. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन –सुमित्रानन्दन पंत।
5. छायावाद – नामवर सिंह।
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
7. छायावाद की प्रासंगिकता –रमेशचंद्र शाह।
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही।
9. छायावाद का पतन – डॉ. देवराज।
10. कामायनी: एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध।
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन – (संपादक) इंद्रनाथ मदान।
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम – करुणा शंकर उपाध्याय।
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) – श्यामबिहारी श्यामल।

## सेमेस्टर –IV

## BA (Prog.)With Hindi as NON-MAJOR

## अन्य गद्य विधाएँ

## Core Course – DSC7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| अन्य गद्य विधाएँ (DSC7) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई –2 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई –3(12 घंटे)**

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई –4(9घंटे)**

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ:**


1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

**DEPARTMENT OF HINDI**

**SEMESTER – V**

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V : DSC-13**

**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे।

**इकाई 1 :** **(12 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत

**इकाई 2 :** **(12 घंटे)**

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

**इकाई 3 :** **(9 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : DSC-14**
**आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर) | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्भों को समझने में सक्षम बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- इस पाठ्यक्रम के माघ्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 :** **(12 घंटे)**

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

**इकाई 2 :** **(12 घंटे)**

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप
  (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा
  (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

**इकाई 3 :** **(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नही सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अज़ीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : DSC-15**
**हिंदी आलोचना**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSC-15 हिंदी आलोचना** | **4** | **3** | **1** | **0** | **Class 12th pass with Hindi** | **—** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

**इकाई 1 :** **(9 घंटे)**

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

**इकाई 2 :** **(12 घंटे)**

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

**इकाई 3 :** **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ

- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – 'तार सप्तक' की भूमिका

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला ('प्रसाद, निराला, अज्ञेय' पुस्तक से)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V: DSE**
**भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

**इकाई-1 :** **(12 घंटे)**

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

**इकाई-2 :** **(12 घंटे)**

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

**इकाई-3 :** **(9 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

**इकाई-4 :** **(12 घंटे)**

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V: DSE**
**हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

**इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय (11 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

**इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार (11 घंटे)**

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार

- गीत और संगीत का बाजार
- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

**इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप** **(11 घंटे)**

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

**इकाई 4 : फिल्मों का** (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) **अध्ययन** **(12 घंटे)**

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

**विशेष:** उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : DSE**
**हिंदी यात्रा साहित्य**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE हिंदी यात्रा साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

**इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप (12 घंटे)**

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

**इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय (12 घंटे)**

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

**इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)**

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन

- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

**इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(9 घंटे)**

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : GE**
**कंप्यूटर और हिंदी**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE कंप्यूटर और हिंदी | 4 | 3 | 0 | 1 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।
- हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट्स से परिचित कराना।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

**इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी** **(12 घंटे)**

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

**इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी** **(9 घंटे)**

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

**इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण** **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण

- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

**इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष (12 घंटे)**

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : GE**
**रंगमच और लोक-साहित्य**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE रंगमंच और लोक-साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

**इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा (9 घंटे)**

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

**इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय (12 घंटे)**

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

**इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)**

- लखमीचंद : सांग – 'नल दमयन्ती'
- भिखारी ठाकुर : 'बिदेसिया'

**इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – 'हयवदन'
- सिद्धेश्वर सेन : माच – 'राजा भरथरी'

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press,1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**Semester V : DSC-9**
**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

**इकाई 2 : शब्द परिचय** **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

**इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार** **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

**इकाई 4 : वाक्य-परिचय** **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

**BA (Prog.) With Hindi as MAJOR**

**Semester V : DSC-10**

**राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-10 राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग** **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा के विविध रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

**इकाई 2 : राजभाषा हिंदी** **(12 घंटे)**

- राजभाषा : तात्पर्य और स्वरूप
- राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

**इकाई 3 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी** **(12 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
- संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

**इकाई 4 : हिंदी का अनुप्रयोग** **(9 घंटे)**

- राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)
- राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; राजभाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, डॉ. देवेंद्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ एवं समाधान, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. सिंह, शंकर दयाल; हिंदी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. राजवीर; राजभाषा हिंदी : विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. गिरि, डॉ. राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

# हिंदी विभाग
# दिल्ली विश्वविद्यालय

## B.A. (Prog.) With Hindi as MAJOR

### Semester-V : DSC-10
### राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी
### इकाई–4: हिंदी का अनुप्रयोग

- **राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ**

| | |
|---|---|
| Above Mentioned | उपर्युक्त |
| Acceptable Proposal | स्वीकार्य प्रस्ताव |
| According to the rules in vogue | प्रचलित नियमों के अनुसार |
| Accepted for Payment | भुगतान के लिए स्वीकृत |
| Action is required to be taken early | शीघ्र कार्रवाई अपेक्षित है |
| Action may be taken as proposed | यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए |
| Act of misconduct | कदाचार |
| After Discussion | विचार–विमर्श के बाद |
| Against public interest | लोकहित के विरूद्ध |
| Agreed to | सहमति दी जाती है |
| Apply to | आवेदन करना, अर्जी देना |
| Approved as proposed | यथाप्रस्ताव अनुमोदित |
| As amended | यथा संशोधित |
| As notified | यथा अधिसूचित |
| As per instruction | अनुदेशानुसार |
| Carry out | पालन करना |
| Certificate by the competent authority is required | सक्षम प्राधिकारी का प्रमाणपत्र अपेक्षित है |
| Compensation ex-gratia | अनुग्रही क्षतिपूर्ति |
| Competent authority's sanction necessary | सक्षम प्रधिकारी की मंजूरी आवश्यक है |
| Consolidated report may be furnished | समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए |
| Copy enclosed | प्रतिलिपि संलग्न है |
| Date and time of receipt | आवती मिलने/प्राप्ति की तारीख और समय |
| Date of Issue | निर्गम तिथि, निर्गम तारीख, निर्गम दिनांक |
| Dispose of | निपटाना |
| Draft as amended is put up | यथा संशोधित प्रारूप प्रस्तुत है |
| Draft for approval | अनुमोदनार्थ प्रारूप, अनुमोदनार्थ मसौदा प्रारूप से सहमति है |
| Draw a charge sheet | आरोप–पत्र तैयार करना |
| Ex parte judgement | एकपक्षीय निर्णय |
| Expedite action | कार्रवाई शीघ्र करें |
| For approval | अनुमोदनार्थ |
| Forbidden zone | निषिद्ध क्षेत्र |
| For comments | टिप्पणी के लिए |
| For consideration | विचारार्थ |
| For information | सूचनार्थ |
| For perusal | अवलोकनार्थ |

| | |
|---|---|
| For verification | सत्यापन के लिए |
| Forwarded and recommended | अग्रेषित और संस्तुत |
| Get clarification of the staff concerned | संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाए |
| Has been dealt with suitably | समुचित कार्रवाई की गई है |
| I have the honour to say | सादर निवेदन है |
| In anticipation of | की प्रत्याशा में |
| In discharge of duty | कर्तव्य पालन में |
| In duplicate | अनुलिपि सहित |
| In good faith | सद्भावपूर्वक |
| In his discretion | स्वविवेक से |
| In this behalf | इस संबंध में |
| Keep pending | लंबित रखा जाए |
| Last pay certificate (L.P.C.) | अंतिम वेतन प्रमाणपत्र |
| Lay down | निर्धारित करना |
| Letter of acknowledgement | पावती |
| Letter of allotment | आबंटन–पत्र |
| Letter of authority | प्राधिकार–पत्र |
| Letter of intent | आशय–पत्र |
| Matter is under consideration | विषय विचाराधीन है |
| May be permitted | अनुमति दी जाए |
| Memorandum of understanding (MoU) | समझौता ज्ञापन, सहमति ज्ञापन |
| Non-bailable offence | गैर–जमानती अपराध |
| No objection certificate | अनापत्ति प्रमाण–पत्र |
| Official document | सरकारी प्रलेख, सरकारी दस्तावेज |
| On deputation | प्रतिनियुक्ति पर |
| On due date | नियत तारीख को |
| On probation | परिवीक्षाधीन |
| On the compassionate grounds | अनुकंपा के आधार पर |
| Preceding notes | पूर्ववर्ती टिप्पणियां |
| Provisional order | अनंतिम आदेश |
| Referred to above | उपरिनिर्दिष्ट |
| So far as possible | यथासंभव |
| To adjourn sine die | अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना |
| To take initiative | सूत्रपात करना |
| To the point | विषयानुकूल, सुसंगगत, प्रासंगिक |
| Unbiased opinion | निष्पक्ष |
| Undermentioned | निम्नलिखित |
| Up-to-date | अद्यतन |
| Upto the mark | स्तरीय |
| Yours Sincerely | आपका, भवदीय |

# हिंदी विभाग
# दिल्ली विश्वविद्यालय

## B.A. (Prog.) With Hindi as MAJOR

### Semester-V : DSC-10
### राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी
### इकाई–4: हिंदी का अनुप्रयोग

- **राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली**

| | |
|---|---|
| अदालती कुर्की | Court attachment |
| अधिपत्र | Warrant |
| अनुग्रही अनुदान | Ex-gratia grant |
| अनुप्रमाणित | Attested |
| अभिक्षमता परीक्षण | Aptitude test |
| अर्ध–शासकीय | Demi-official |
| अर्हता | Qualification |
| आनुवंशिकता | Heredity |
| आयकर विवरणी | Income tax return |
| आशुलिपिक | Stenographer |
| आसवनी | Distillery |
| उद्यमिता | Entrepreneurship |
| उद्यानकृषि | Horticulture |
| कर अपवंचन | Tax evasion |
| कार्यकारिणी | Executive committee |
| कार्यभार ग्रहण | Assumption of charge |
| कार्यालय ज्ञापन | Office memorandum |
| चकबंदी | Consolidation |
| जिला न्यायाधीश | District Judge |
| तदर्थ समिति | Ad hoc committee |
| दीवानी मुकदमा | Civil suit |
| नवोन्नत प्रौद्योगिकी | State-of-the art technology |
| नामांतरण | Mutation |
| नियुक्ति प्राधिकारी | Appointing authority |
| परामर्शिका | Advisory |
| प्रति–शपथपत्र | Counter Affidavit |
| प्रवर्तन निदेशालय | Directorate of Enforcement |
| प्रशासनिक अधिकरण | Administrative Tribunal |
| बैंक प्रतिभूति | Bank Security |
| भारत का महासर्वेक्षक | Surveyor General of India |
| भाषांतरकार | Interpreter |
| मुख्य कार्यपालक अधिकारी | Chief Executive Officer (C.E.O) |
| मूल वेतन–मान | Basic scale of pay |

| | |
|---|---|
| राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण | National Airports Authority |
| रिट याचिका | Writ petition |
| वर्गीकृत प्रलेख | Classified document |
| विभागीय कार्रवाई | Departmental action |
| शल्य–चिकित्सा | Surgery |
| संयुक्त निदेशक | Joint Director |
| संविदा विलेख | Contract-deed |
| संवीक्षा अधिकारी | Scrutiny Officer |
| सतर्कता अधिकारी | Vigilance Officer |
| सहायक आयुक्त | Assistant Commissioner |
| सक्षम अधिकारी | Competent Authority |
| सामुदायिक विकास खंड | Community development block |
| सीमा–शुल्क दर | Customs tarrif |
| सेवा पुस्तिका | Service book |
| स्थानांतरण आदेश | Transfer order |
| स्थानिक मजिस्ट्रेट | Resident Magistrate |
| स्थायीकरण | Confirmation |
| स्मरण–पत्र | Reminder |
| स्वतः स्पष्ट | Self-explanatory |
| हलफनामा | Affidavit |
| लेखाकार | Accountant |
| राजदूत | Ambassador |
| वास्तुविद् | Architect |
| महान्यायवादी | Attorney General |
| लेखापरीक्षक | Auditor |
| मंत्रिमंडल सदस्य | Cabinet Minister |
| नियंत्रक और महालेखापरीक्षक | Comptroller and Auditor General (CAG) |
| परामर्शदाता | Consultant |
| संवाददाता | Correspondent |
| अभिरक्षक | Custodian |
| निदेशक | Director |
| निरीक्षक | Inspector |
| अनुदेशक | Instructor |
| अन्वेषक | Investigator |
| भाषाविद् | Linguist |
| महापौर | Mayor |
| नेत्रविज्ञानी | Ophthalmologist |
| परिवीक्षाधीन | Probationer |
| लोक अभियोजक | Public Prosecutor |
| अध्येता | Research Fellow |
| सचिव | Secretary |
| पर्यवेक्षक | Supervisor |

**BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR**

**Semester V : DSC-9**

**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

**इकाई 2 : शब्द परिचय** **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

**इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार** **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

**इकाई 4 : वाक्य-परिचय** **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester V : DSE**
**विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे।

**इकाई 1 : भारत-विभाजन और स्वाधीनता** **(12 घंटे)**

- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम
- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय

**इकाई 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता** **(12 घंटे)**

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की शृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

**इकाई 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी** **(12 घंटे)**

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- मैं जिंदा रहूँगा – विष्णु प्रभाकर

**इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास** **(9 घंटे)**

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु

## सहायक ग्रंथों की सूची :


1. प्रसाद, डॉ. राजेंद्र; खंडित भारत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरीला, नरेंद्र सिंह; विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शेषाद्रि, हो. वे.; ...और देश बंट गया, सुरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
4. लोहिया, राम मनोहर; भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, अनिता इंदर; भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
7. प्रियंवद; भारत विभाजन की अंतःकथा, पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, बलबीर; भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. यादव, सुभाष चंद्र; भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
10. मोहन, नरेंद्र; विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. मधुरेश; हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
14. मधुरेश; हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
15. Azad, Maulana Abul Kalam; India Wins Freedom, Orient Longman, Hyderabad, India.

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : DSE**

**व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित कराना
- हिंदी भाषा के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता विकसित करना
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक रूप से व्यावसायिक जगत से जोड़ना
- छात्रों को हिंदी से जुड़े रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्यावसायिक संप्रेषण की प्रक्रिया से अवगत होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होंगे
- हिंदी के वैश्विक और व्यावसायिक अंतःसंबंधों को समझेंगे
- व्यावसायिक लेखन की प्रक्रिया से परिचित होंगे

**इकाई 1: संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व** **(12 घंटे)**

- संप्रेषण की परिभाषा एवं स्वरूप
- संप्रेषण का महत्त्व
- भूमंडलीकरण के युग में संप्रेषण की महत्ता
- संप्रेषण की बाधाएं

**इकाई 2: व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा** **(9 घंटे)**

- व्यावसायिक संप्रेषण का स्वरूप
- व्यावसायिक संप्रेषण के प्रकार
- तकनीकी व्यावसायिक संप्रेषण

**इकाई 3: हिंदी जनसंचार और व्यावसायिक संप्रेषण** **(12 घंटे)**

- संप्रेषण के विविध माध्यम – परंपरागत और आधुनिक
- प्रिंट मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- हिंदी भाषा, सोशल मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण

**इकाई 4: हिंदी में व्यावसायिक लेखन** **(12 घंटे)**

- हिंदी में व्यावसायिक लेखन का महत्त्व
- हिंदी में व्यावसायिक लेखन के प्रकार (प्रतिवेदन लेखन, कार्यसूची, कार्यवृत्त का रूप निर्माण)
- व्यावसायिक पत्र और ईमेल का प्रारूप निर्माण
- स्ववृत्त-निर्माण और उसके विविध स्वरूप

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. पाल एवं शर्मा, डॉ. हंसराज एवं डॉ. मंजुलता; व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. झालटे, डॉ. दंगल; प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय, कैलाशनाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. गोस्वामी, कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : DSE**

**हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| **DSE हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ** | **4** | **3** | **1** | **0** | **12th Pass** | **—** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी की प्रमुख संस्थाओं से परिचित कराना।
- हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका से अवगत कराना।
- संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि का विकास करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी हिंदी के विकास में विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के योगदान को समझ सकेंगे।
- प्रारंभिक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास में विभिन्न संथाओं और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी की आरंभिक संस्थाएँ** **(12 घंटे)**

- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
- दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

**इकाई 2 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी संस्थाएँ** **(12 घंटे)**

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज

**इकाई 3 : हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान** **(12 घंटे)**

- आरंभिक पत्र – उदन्त मार्तण्ड, बंगदूत, समाचार सुधा वर्षण
- साहित्यिक पत्रिकाएं – कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती
- हिंदी के विकास में प्रमुख पत्रकारों का योगदान – भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबू बालमुकुंद गुप्त।

**इकाई 4 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं** **(9 घंटे)**

- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाएं – धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान
- आपातकाल के दौर की पत्रकारिता और चुनौतियां
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएं

**सहायक ग्रंथों की सूची :**


1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. वैदिक, वेदप्रताप; हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
4. पांडेय, डॉ. पृथ्वीनाथ, पत्रकारिता : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, कुमुद; भूमंडलीकरण और मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester V : GE**
**लोकप्रिय हिंदी साहित्य**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE लोकप्रिय हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- लोकप्रिय संस्कृति की समझ विकसित करना।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य का परिचय देना।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा का ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम-अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य से परिचित होंगे।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 : लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य** **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय संस्कृति : अवधारणा और स्वरूप
- लोकप्रिय संस्कृति और कला के विविध आयाम
- लोकप्रिय संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य

**इकाई 2 : लोकप्रिय साहित्य** **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- वैश्वीकृत दुनिया और हिंदी का लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक।

**इकाई 3 : लोकप्रिय कविता** **(9 घंटे)**

- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला (भाग 1)
- कवि प्रदीप – दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
- शैलेंद्र – दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
- गोपालदास नीरज – कारवाँ गुज़र गया

**इकाई 4 : लोकप्रिय कथा साहित्य** **(12 घंटे)**

- चंद्रकांता – देवकी नंदन खत्री
- गुप्त कथा – गोपाल राम गहमरी

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. पचौरी, सुधीश; पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज।
2. रंजन, प्रभात; पॉपुलर हिंदी लुगदी हिंदी : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य, जानकीपुल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कृष्ण, संजय (संपादक); गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. शुक्ल, वागीश; चंद्रकांता (संतति) का तिलिस्म, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सक्सेना, प्रदीप; तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद चरित्र, शिल्पायन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester V : GE**
**प्रवासी हिंदी साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE प्रवासी हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

**इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय (12 घंटे)**

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

**इकाई 2 : प्रवासी कविताएं (12 घंटे)**

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

**इकाई 3 : प्रवासी कहानियां** **(12 घंटे)**

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

**इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास** **(9 घंटे)**

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.

**DEPARTMENT OF HINDI**

**BA (Hons.) Hindi**

**Semester VI : DSC-16**

**हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी की भाषिक संरचना से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी भाषा के ऐतिहासिक क्रम से परिचित होंगे।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : हिंदी भाषा का उद्भव और विकास (9 घंटे)**

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्य भाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी
- हिंदी भाषा की विकास यात्रा

**इकाई 2 : हिंदी भाषा का स्वरूप (12 घंटे)**

- बोली और भाषा
- हिंदी की बोलियां
- हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र : स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

**इकाई 3 : हिंदी भाषा की विविध भूमिकाएं (12 घंटे)**

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- ज्ञान-विज्ञान की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

**इकाई 4 : हिंदी भाषा का नवीन स्वरूप (12 घंटे)**

- प्रिंट मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भाषा
- सोशल मीडिया की भाषा
- सिनेमा की भाषा

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, रेख्ता प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रविंद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. टंडन, डॉ. प्रेम नारायण; भाषा अध्ययन के आधार, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
5. तिवारी, डॉ. उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्गम और विकास।
6. शर्मा, विकास; भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विविध भूमिकाएं, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSC-17**
**अस्मितामूलक हिंदी साहित्य**
**(दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 17 अस्मितमूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श) | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- अस्मिता मूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

**इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी (9 घंटे)**

- दलित विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- स्त्री विमर्श: भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास

**इकाई 2 : विमर्शमूलक कथा-साहित्य (12 घंटे)**

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मन्नू भण्डारी – यही सच है
- एलिस एक्का – धरती लहलहायेगी... झालो नाचेगी... गाएगी

**इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता (12 घंटे)**

- दलित कविता : माताप्रसाद – सोनवा का पिंजरा
- आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल – कहां हो तुम माया ('नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से)
- स्त्री कविता : नीलेश रघुवंशी – पानदान

**इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
- डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSC-18**
**कथेतर गद्य साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 18 कथेतर गद्य साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के अंतर्गत कथेतर गद्य साहित्य की स्थिति को समझाना।
- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के महत्त्व से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में कथेतर गद्य साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी।
- कथेतर गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित होंगे।
- कथेतर गद्य साहित्य के लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

**इकाई 1 : कथेतर गद्य साहित्य का परिचय** **(9 घंटे)**

- कथेतर गद्य साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
- कथेतर गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
- कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य का अंतर्संबंध

**इकाई 2 : कथेतर गद्य साहित्य के प्रमुख प्रकार** **(12 घंटे)**

- जीवनी, डायरी
- संस्मरण, रेखाचित्र
- रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य

**इकाई 3 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- आवारा मसीहा (छात्र संस्करण के प्रारंभिक 100 पृष्ठ) (जीवनी) – विष्णु प्रभाकर

- दद्दा – मैथिलीशरण गुप्त, पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा
- स्मृतिलेखा (रेखाचित्र) – अज्ञेय

**इकाई 4** : **कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन** – **2** **(12 घंटे)**

- अकेला मेला (डायरी) – रमेशचंद्र शाह
- बिदापत-नाच (रिपोर्ताज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- निराला के पत्र (पत्र-साहित्य) – निराला रचनावली (खंड 8)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. नगेंद्र एवं हरदयाल, डॉ. एवं डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. चतुर्वेदी, डॉ. राम स्वरूप; गद्य की सत्ता, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; नया साहित्य – नए प्रश्न, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी।
7. शर्मा, डॉ. रामविलास; निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, नलिन विलोचन (संपादक); हिंदी गद्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**

**Semester VI : DSE**

**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE हिंदी भषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भाषा के स्वरूप और महत्त्व का परिचय कराना।
- भाषा के व्याकरणिक रूप का परिचय देना।
- हिंदी भाषा के विकारी रूपों की रचना को सिखाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की ध्वनि व्यवस्था का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की वाक्य रचना, अर्थ रचना का परिचय प्राप्त होगा।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(9 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण: स्वर, व्यंजन और मात्राएं

**इकाई 2 : शब्द एवं पद विचार** **(12 घंटे)**

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद : रचना एवं स्रोत के आधार पर
- शब्द-निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- विकारी शब्दों की रूप-रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

**इकाई 3: वाक्य-विचार** **(12 घंटे)**

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद : रचना एवं अर्थ के आधार पर
- वाक्य संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न

**इकाई 4: अर्थ-विचार** **(12 घंटे)**

- अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास : हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
2. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरू, कामताप्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्यसरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
6. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
7. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**भाषा दक्षता और तकनीक**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE भाषा दक्षता और तकनीक | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भाषा दक्षता के महत्त्व, प्रयोग विस्तार, शैली, भाषिक संस्कृति और भाषिक कौशलों की समझ विकसित करना।
- तकनीक के साथ भाषा के संबंध की समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, समीक्षा आदि पहलुओं को सीख सकेंगे।
- भाषा और तकनीक के सह-संबंध के माध्यम से भाषा के व्यावहारिक रूप को जान सकेंगे।

**इकाई 1 : भाषा दक्षता का स्वरूप एवं महत्त्व (12 घंटे)**

- भाषा दक्षता : तात्पर्य और महत्त्व
- भाषा दक्षता : श्रवण एवं वाचन
- भाषा दक्षता : पठन और लेखन

**इकाई 2 : भाषा व्यवहार एवं प्रक्रिया (12 घंटे)**

- भाषा व्यवहार : भाषा प्रयोग एवं शैली का महत्त्व
- भाषा को प्रभावित करने वाले कारक : आयु, वर्ग, लिंग, व्यवसाय, शिक्षा और संस्कृति
- भाषा दक्षता में श्रवण, उच्चारण, शुद्ध पठन और रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया

**इकाई 3 : भाषा दक्षता और तकनीक (12 घंटे)**

- भाषा दक्षता में यूनिकोड का महत्त्व
- गूगल वॉयस सर्च और हिंदी दक्षता
- डिजिटल हिंदी और तकनीक का सह-संबंध

**इकाई 4 : भाषा दक्षता : व्यावहारिक पक्ष ((9 घंटे)**

- वाचन : भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, किसी साहित्यिक कृति का पाठ
- लेखन : संक्षेपण,पल्लवन, समीक्षा, रिपोर्ट

**संदर्भ ग्रंथों की सूची:**


1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, सृजनात्मक साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, दिलीप; भाषा,साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, सावित्री; हिंदी शिक्षण, गया प्रसाद एंड संस, आगरा।
4. प्रकाश, डॉ. ओम; व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. मुकुल, डॉ. मंजु; संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, शिवमूर्ति; हिंदी भाषा शिक्षण, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद।
7. स्वयं अधिगम सामग्री, हिंदी शिक्षण प्रविधि, इग्नू, नई दिल्ली।
8. कुमार, निरंजन; माध्यमिक विद्यालयों मे हिंदी शिक्षण, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. गुप्ता, मनोरमा; भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

**इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व (12 घंटे)**

- गांधी-दर्शन की अवधारणा
- गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा
- विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

**इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी (9 घंटे)**

- गांधी का गीता भाष्य
- गांधी और रामराज
- गांधी और सनातन संस्कृति

**इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी ( (12 घंटे)**

- जय गांधी – सोहनलाल द्विवेदी
- महात्मा जी के प्रति – सुमित्रानंदन पंत
- बापू (चार प्रारंभिक अंश) – रामधारी सिंह दिनकर
- तुम कागज पर लिखते हो – भवानी प्रसाद मिश्र

**इकाई 4 : हिंदी गद्य में गांधी (12 घंटे)**

- पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ) – गिरिराज किशोर
- दांडी यात्रा (पृष्ठ संख्या 30-67) – मधुकर उपाध्याय
- भारत का स्वराज और महात्मा गांधी (उपसंहार) – बनवारी
- रचनाकार गांधी – विद्यानिवास मिश्र

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. गांधी, महात्मा; हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा; सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण; गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी.; गांधी : जीवन और दर्शन, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. गिरि, राजीव रंजन; गांधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य, नंद किशोर; अहिंसा की संस्कृति, राजकलम प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. धर्माधिकारी, दादा; गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
8. मिश्र, श्री प्रकाश; अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. मिश्र, दयानिधि; गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
10. पारेख, भीखू; गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**शोध प्रविधि**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE शोध-प्रविधि | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- साहित्यिक शोध से परिचित कराना।
- शोध के नए आयामों का ज्ञान देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के ज्ञान का विस्तार होगा।
- शोध के प्रतिमानों से परिचित होकर शोध-कार्य कर सकेंगे।

**इकाई 1 : शोध की अवधारणा** **(9 घंटे)**

- शोध : अवधारणा और स्वरूप
- शोध का क्षेत्र एवं शोध-प्रविधि
- शोध की प्रक्रिया

**इकाई 2 : प्रमुख शोध पद्धतियाँ** **(12 घंटे)**

- भाषा-वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक शोध, पाठालोचन

**इकाई 3 : शोध प्रक्रिया के विविध चरण** **(12 घंटे)**

- विषय चयन
- सामग्री संकलन
- तथ्य विश्लेषण
- रूपरेखा निर्माण
- शोध प्रबंध लेखन

**इकाई 4 : शोध संबंधित अन्य पक्ष** **(12 घंटे)**

- शोध संबंधी समस्याएं
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- शोध के साधन और उपकरण
- संदर्भ सूची निर्माण

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सिन्हा, सावित्री; अनुसंधान का स्वरूप।
2. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र; अनुसंधान की प्रक्रिया।
3. शर्मा, विनयमोहन; शोध प्रविधि, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सिंह, सरनाम; शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली।
5. अरोड़ा, हरीश; शोध प्रविधि और प्रक्रिया, के. के. पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. त्रिपाठी, विनायक; शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. पांडेय एवं पांडेय, गणेश एवं अरुण; राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. गणेशन, एस. एन.; अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : GE**
**भारतीय ज्ञान परंपरा**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE भारतीय ज्ञान परंपरा | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।
- भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा** **(12 घंटे)**

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

**इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत : संक्षिप्त परिचय** **(12 घंटे)**

- वेद और उपनिषद
- पुराण और इतिहास
- धर्म-शास्त्र और स्मृति ग्रंथ
- रामायण, महाभारत और रामचरित मानस

**इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन** **(9 घंटे)**

- प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ

- पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा
- प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

**इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य-दर्शन** **(12 घंटे)**

- नव्य-दर्शन और आधुनिक भारत
- स्वामी विवेकानंद नव्य-वेदांत दर्शन और भारत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
- श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत-बोध

## सहायक ग्रंथों की सूची:


- शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, संजय; भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R.N.; Introduction to Indian Knowledge System : Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
- गुप्ता, बजरंग लाल; पं. दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
- दीक्षित, हृदयनारायण; पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज।
- शेखर, हिमांशु; स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
- चौहान, लालबहादुर सिंह; योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।


**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : GE**

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(28)/2023-24/92

Dated: 12.02.2024

**NOTIFICATION**

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 39/-(39-1-5/-) dated 15.12.2023]

In continuation of Notification No. CNC-II/093/1(28)/2023-24/321 dated 12.12.2023, following modification is being made to the syllabi of BA (Hons.) Hindi for Semester-VI Generic Elective (GE) paper under the Department of Hindi :

| Existing | Proposed |
|---|---|
| Semester VI<br>GE paper - New Media | Semester VI<br>GE paper-Hindi Geetikavya<br>(हिंदी गीतिकाव्य) |

2. Course content alongwith the syllabi of the paper is enclosed at ***Annexure-1.***

REGISTRAR

**Annexure-1**

# BA (Hons.)Hindi
## SemesterVI:GE
## हिंदी गीतिकाव्य

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE हिंदी गीतिकाव्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य(Course Objectives):**

- गीतिकाव्य की अवधारणा से परिचित कराना ।
- हिंदी गीतिकाव्य की विकास परंपरा से अवगत कराना ।
- गीतिकाव्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी प्रदान करना ।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी गीतिकाव्य की अवधारणा एवं स्वरूप को समझ सकेंगे ।
- गीतिकाव्य की ऐतिहासिक विकास-यात्रा से परिचित हो सकेंगे ।
- हिंदी गीतिकाव्य के विविध पहलुओं से अवगत होंगे ।

**इकाई 1 : हिंदी गीतिकाव्य: अवधारणा एवं स्वरूप (12 घंटे)**

- गीतिकाव्य की अवधारणा
- गीति तत्त्व
- हिंदी गीतिकाव्य की विकास परंपरा
- हिंदी गीतिकाव्य की विविध शैलियाँ

**इकाई 2 : (12 घंटे)**

- अंग्रेज राज सुख साज सजै सब भारी – भारतेंदु हरिश्चंद्र (भारत-दुर्दशा)
- हमारी सभ्यता: अतीत खंड – मैथिलीशरण गुप्त (भारत-भारती)

- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद (चन्द्रगुप्त)
- बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ – महादेवी वर्मा
- गीत गाने दो मुझे– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 3 : (9 घंटे)

- हिमालय – रामधारी सिंह दिनकर
- इस पार उस पार – हरिवंश राय बच्चन (मधुबाला)
- समय की शिला पर – शंभुनाथ सिंह
- आदमी का आकाश – रामावतार त्यागी

इकाई 4 : (12 घंटे)

- उत्तर प्रियदर्शी – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के – कवि प्रदीप
- किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार – शंकर शैलेंद्र
- ओ गंगा बहती हो क्यूँ– नरेंद्र शर्मा

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. अग्रवाल,ओमप्रकाश;हिंदी गीतिकाव्य, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयागराज
2. एम.ए., रामखेलावन पाण्डेय; गीति-काव्य, ज्ञानमंडल प्रकाशन, बनारस
3. एम.ए., सच्चिदानंद तिवारी; आधुनिक गीति-काव्य, किताब महल, इलाहाबाद
4. आशाकिशोर, डॉ.; आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य का स्वरूप और विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अग्रवाल, डॉ. सरोजनी; छायावाद का गीति-काव्य,
6. सिंह, संध्या; निराला का गीत-काव्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. सिंह,डॉ. ओमप्रकाश;नयी सदी के नवगीत: नया मूल्यांकन, नमन प्रकाशन, दिल्ली
8. सिंह, शंभुनाथ;नवगीत दशक, पराग प्रकाशन,दिल्ली
9. श्रीवास्तव,शुभा;गीत से नवगीत, आराधना ब्रदर्स,दिल्ली
10. बंधु,राधेश्याम (सं.);नवगीत के नए प्रतिमान, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली

11. गौतम एवं गौतम,डॉ .सुरेश एवं डॉ.वीणा;नवगीत: इतिहास और उपलब्धि, शारदा प्रकाशन,दिल्ली
12. पांडेय,डॉ.माधवेंद्र प्रसाद;सौंदर्य बोध और हिंदी नवगीत, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. सिंह, इंद्रजीत (सं.); धरती कहे पुकार के: गीतकार शैलेन्द्र, वी. के. ग्लोबल पब्लिकेशन प्रा. लि., फरीदाबाद
14. सिंह, इंद्रजीत; शैलेन्द्र, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

EC(1268)-15.1 .2023

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**Semester VI : DSC-11**
**साहित्य चिंतन**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-11 साहित्य चिंतन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

**इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)**

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

**इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)**

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

**इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1** **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

**इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2** **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**Semester VI : DSC-12**
**विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-12 विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

**इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी** **(12 घंटे)**

- विमर्श की सामाजिक अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप विकास

**इकाई 2 : विमर्शमूलक कहानी** **(12 घंटे)**

- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भण्डारी
- बाबा, कौए और काला धुआँ – रणेंद्र

**इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता** **(12 घंटे)**

- दलित कविता : अछूत की शिकायत – हीरा डोम, ठाकुर का कुआं – ओम प्रकाश बाल्मीकी
- आदिवासी कविता : गुलदस्ते की जगह बेसलरी की बोतलें, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल
- स्त्री कविता : पानदान, हंडा – नीलेश रघुवंशी

**इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं** **(9 घंटे)**

- घर-बाहर – महादेवी वर्मा
- पिजरे की मैना – चंद्रकिरण सोनरेक्सा (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


**16.** अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
**17.** वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
**18.** गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
**19.** टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
**20.** नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
**21.** मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
**22.** नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
**23.** खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
**24.** बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
**25.** वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
**26.** देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
**27.** सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
**28.** सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
**29.** मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
**30.** बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR**
**Semester VI : DSC-11**
**साहित्य चिंतन**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-11 साहित्य चिंतन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

**इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)**

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

**इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)**

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

**इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1** **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

**इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2** **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**हिंदी नवजागरण**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE हिंदी नवजागरण** | **4** | **3** | **1** | **0** | **12th pass** | **—** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को नवजागरण संबंधी विभिन्न मान्यताओं से परिचित कराना।
- नवजागरणकालीन साहित्य का जानकारी देना।
- नवजागरण संबंधी चिंतन परंपरा से जुड़े पक्षों का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी नवजागरण संबंधी धारणाओं से परिचित होंगे।
- नवजागरणकालीन साहित्यिक गतिविधियों को जानेंगे।
- नवजागरणकालीन चिंतकों के सरोकारों और गतिविधियों से परिचित होंगे।

**इकाई 1 : पुनर्जागरण : अवधारणा एवं महत्त्व** **(12 घंटे)**

- पुनरुत्थान एवं पुनर्जागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण व समाज सुधार
- पुनर्जागरण व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन
- हिंदी पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि

**इकाई 2 : नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाएं** **(12 घंटे)**

- ब्रह्म समाज
- प्रार्थना समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन

**इकाई 3 : नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता** **(12 घंटे)**

- कविवचन सुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- आनंद कादंबिनी – बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
- सरस्वती – महावीर प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 4 : हिंदी नवजागरण से संबंधित चयनित पाठ** **(9 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट
- भारत दुर्दशा – प्रताप नारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भट्ट, बालकृष्ण; निबंध संग्रह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास शर्मा; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. चौहान, शिवदान सिंह; हिंदी साहित्य का अस्सी बरस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दयानंद, स्वामी; सत्यार्थ प्रकाश, किरण प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भाषा, साहित्य और संस्कृति, ओरियंट ब्लैक स्वान, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**हिंदी स्त्री-लेखन**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/Practice | | |
| DSE हिंदी स्त्री-लेखन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी स्त्री-लेखन विभिन्न पाठों एवं रचनाकारों से परिचित कराना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी स्त्री-लेखन की गंभीरता को समझेंगें।
- समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक बनेगें।
- स्त्री-लेखन से संदर्भित प्रश्नों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

**इकाई 1 : हिंदी स्त्री-लेखन : सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- स्त्री-लेखन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी स्त्री-लेखन का प्रारंभ और विकास

**इकाई 2 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कविता** **(9 घंटे)**

- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- नाम और पता – स्नेहमयी चौधरी
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल

**इकाई 3 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कथा साहित्य** **(12 घंटे)**

- दुलाई वाली – राजेंद्र बाला घोष

- स्त्री सुबोधीनी – मन्नू भंडारी
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- ना ज़मी अपनी ना फलक अपना – मालती जोशी

**इकाई 4 : हिंदी स्त्री-लेखन : अन्य गद्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा : जीने की कला
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में (अंश – बेटी की शादी)
- कृष्णा सोबती : बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख'
- जूते चिढ़ गए हैं : सूर्यबाला

**सहायक ग्रंथों की सूची :**


1. सदायत, चंदा (संपादक); सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
2. भंडारी, मन्नू; त्रिशंकु (कहानी संग्रह), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन।
4. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. जोशी, मालती; ना ज़मी अपनी ना फलक अपना (कहानी संग्रह), साक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजे, सुमन; हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. माधव, नीरजा, हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास, सामायिक बुक्स, दिल्ली।
8. मालती, के. एम.; स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, भवदेव; बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति-आंदोलन से परिचित होंगे।
- भक्ति-आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भक्ति-आंदोलन : उद्भव और विकास** **(9 घंटे)**

- भक्ति का स्वरूप
- भक्ति-आंदोलन की पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन उद्भव संबंधी अवधारणाएँ
- भक्ति-आंदोलन की विकास-यात्रा

**इकाई 2 : भक्ति-आंदोलन का दार्शनिक पक्ष** **(12 घंटे)**

- उपनिषद्
- श्रीमद्भागवत पुराण और भगवद्गीता
- वेदांत दर्शन

- प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय – शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

**इकाई 3 : भक्ति-आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा** **(12 घंटे)**

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
- सूफ़ी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

**इकाई 4 : भक्ति-आंदोलन और सगुण काव्यधारा** **(12 घंटे)**

- सगुण भक्ति का स्वरूप
- राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)
- कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य कोश (भाग1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक); कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. तुलसीदास, गोस्वामी; दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : GE**
**हिंदी बाल साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE हिंदी बाल साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को बाल साहित्य से परिचित कराना।
- बाल साहित्यकारों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति का विश्लेषण करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में बाल साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- बाल साहित्य के लेखन और प्रकाशन की दिशा में काम होगा जिससे बाल साहित्य समृद्ध होगा।
- बाल साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 : बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप** **(12 घंटे)**

- बाल साहित्य की अवधारणा एवं परिभाषा
- बाल साहित्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
- बाल साहित्य लेखन की प्रक्रिया / प्रविधि
- बाल साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ

**इकाई 2 : प्रमुख बाल कविताएँ / गीत** **(12 घंटे)**

- उठो लाल अब आँखें खोलो – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- चाँद का कुर्ता – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- चंदा मामा आ – द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
- विश्वास – बाल कवि बैरागी

**इकाई 3 : प्रमुख बाल कथाएँ** **(12 घंटे)**

- अक्ल बड़ी या भैंस – अमृतलाल नागर
- दीप जले शंख बजे – जयप्रकाश भारती
- डाकू का बेटा – हरिकृष्ण देवसरे
- मंजिल – भगवती प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 4 : बाल पत्रिकाएँ (सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ)** **(9 घंटे)**

- पराग
- साइकिल
- चंपक
- बालभारती

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. देवसरे, हरिकृष्ण (संपादक), भारतीय बाल साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ. सुरेंद्र नाथ; हिंदी बाल साहित्य : परंपरा, विकास एवं मूल्यांकन, कौशल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सेवक, निरंकार देव; बालगीत साहित्य : इतिहास और समीक्षा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
4. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत (संपादक); भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
5. पांडेय, अमिताभ; बाल काव्य के प्रमुख प्रणेता, शिल्पी प्रकाशन, लखनऊ।
6. भारती, जयप्रकाश; बाल पत्रकारिता : स्वर्गयुग की ओर, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।
7. शुक्ल एवं राष्ट्रबंधु, डॉ. त्रिभुवन नाथ एवं डॉ.; भारतीय बाल साहित्य की भूमिका, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. श्रीप्रसाद, डॉ.; हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मूर्ति, सुधा; श्रेष्ठ बाल कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. मनु, प्रकाश; हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियां और संभावनाएँ, कृतिका बुक्स, नई दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : GE**
**हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **GE हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध** | **4** | **3** | **1** | **0** | **12th pass** | **—** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य-बोध की परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक भारतीय मूल्य संपदा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्यों के महत्त्व को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय मूल्यों की जीवंत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्य-बोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में वर्णित भारतीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

**इकाई 1 : भारतीय मूल्य-बोध का स्वरूप (9 घंटे)**

- मूल्य-बोध की भारतीय अवधारणा
- सामाजिक मूल्य
- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्य
- पारिवारिक मूल्य

**इकाई 2 : हिंदी काव्य और भारतीय मूल्य-बोध (संक्षिप्त परिचय) (12 घंटे)**

- 'रामचरित मानस' में उद्घाटित भारतीय सांस्कृतिक मूल्य
  (केवट प्रसंग, भरत मिलाप प्रसंग, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद प्रसंगों के आधार पर)
- 'भारत भारती' और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्य

- 'रश्मिरथी' और भारतीय पारिवारिक और सामाजिक मूल्य

**इकाई 3 : हिंदी की प्रमुख कहानियों में वर्णित भारतीय मूल्य** **(12 घंटे)**

- आहुति – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत

**इकाई 4 : हिंदी के प्रमुख निबंधों में वर्णित भारतीय मूल्य** **(12 घंटे)**

- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- शिक्षा का उद्देश्य – डॉ. संपूर्णानंद
- रहिमन पानी राखिए – विद्यानिवास मिश्र

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. भारती, डॉ. धर्मवीर; मानव-मूल्य और साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ।
2. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
4. वर्मा, सुरेंद्र; भारतीय जीवन मूल्य, पार्श्वनाथ विद्यापीठ ग्रंथमाला, वाराणसी।
5. गुप्ता, डॉ. बजरंग लाल; भारतीय सांस्कृतिक मूल्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. पांडेय, गोविंद चंद्र; मूल्य मीमांसा, राका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Hons.) Hindi

## VII Semester


| Sr. No. | Paper Type | Paper Name | Page No. |
|---|---|---|---|
| 1 | DSC-19 | • हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं | 2-3 |
| | | | |
| 2 | DSE (रचनाकार केंद्रित अध्ययन) | • कबीरदास | 4-5 |
| | | • तुलसीदास | 6-7 |
| | | • भारतेंदु हरिश्चंद | 8-9 |
| | | • जयशंकर प्रसाद | 10-11 |
| | | • महादेवी वर्मा | 12-13 |
| | | • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' | 14-15 |
| | | | |

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSC

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति जागरूक करना।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित करना।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति सजग होंगे।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित होंगे।

**इकाई – 1 : भारत का भाषिक परिदृश्य** (12 घंटे)

- भारत की भाषिक विविधता
- भाषा परिवार एवं भारतीय भाषाएं
- भारत की शास्त्रीय भाषाएं
- आधुनिक भारतीय भाषाएं

**इकाई – 2 : भारतीय भाषाओं का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य** (9 घंटे)

- संविधान सभा में भारतीय भाषाओं का प्रश्न
- आठवीं अनुसूची की संकल्पना
- राजभाषा हिंदी

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : देवनागरी लिपि एवं भारतीय भाषाएं** **(12 घंटे)**

- भाषा एवं लिपि का अंतर्संबंध
- प्रमुख भारतीय भाषाएं एवं उनकी लिपि
- देवनागरी लिपि एवं विभिन्न भारतीय भाषाएं
- लिपि रहित भारतीय भाषाओं का संदर्भ एवं लिपि निर्माण

**इकाई – 4 : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध** **(12 घंटे)**

- वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय भाषाएं
- 'स्व' की अवधारणा एवं 'स्वभाषा' का प्रश्न
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारतीय भाषाएं
- भारत का वर्तमान बहुभाषिक परिप्रेक्ष्य एवं संपर्क भाषा

**सहायक ग्रंथ :**


1. बोरा, डॉ. राजमल; भारत की भाषाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चाटुर्ज्या, सुनीति कुमार; भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. चट्टोपाध्याय, सुनीति कुमार; भारत की भाषाएं और भाषा संबंधी समस्याएं, महादेव साहा (अनुवाद), हिंदी भवन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
6. शास्त्री, कलानाथ; मानक हिंदी का स्वरूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. शर्मा, रामविलास; भारत की प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. देवी, गणेश (मुख्य संपादक); भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
11. नंदकुमार, जे.; राष्ट्रीय स्वत्व के लिए संघर्ष : अतीत, वर्तमान और भविष्य, इंडस स्क्रॉल प्रेस, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

कबीरदास

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE कबीरदास | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को रेखांकित करना।
- कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को रेखांकित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को समझ सकेंगे।
- कबीरदास के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को जान सकेंगे।

**इकाई – 1 : कबीर का जीवन वृत्त एवं रचनाएं** **(9 घंटे)**

- कबीर का जीवन परिचय
- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर की रचनाएं (साखी, सबद, रमैनी)
- कबीर की भाषा

**इकाई – 2 : कबीर का समय** **(12 घंटे)**

- सामाजिक परिस्थितियां
- राजनीतिक परिस्थितियां
- धार्मिक परिस्थितियां
- सांस्कृतिक परिस्थितियां

**इकाई – 3 : कबीर का व्यक्तित्व** **(12 घंटे)**

- कबीर का समाज सुधार
- कबीर का चिंतन (दर्शन एवं धर्म)
- कबीर की भक्ति
- कबीर की लोकप्रियता एवं कबीर पंथ

**इकाई – 4 : पाठ आधारित व्याख्या (साखी एवं पदावली से चुने हुए अंश)** **(12 घंटे)**

- नैनां अंतरि आव तूं ..... हम जाणौं अरु दुख ॥ (निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग, दोहा संख्या 2 से 6)
- लोग विचारा नींदई ..... मुकति न कबहूँ न होइ ॥ (निंद्या कौ अंग, दोहा संख्या 1 से 5)
- करम कोटि कौ ग्रेह रच्यौ रे, ..... उदित भया तम षीनां ॥ (पद संख्या 5 से 16)
- गुण मैं निर्गुण निर्गुण मैं गुण है, ..... जानि ढारें पासा ॥ (पद संख्या 180 एवं 235)
  **(कबीर ग्रंथावली, डॉ. श्यामसुंदर दास (संपादक), इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयागराज)**

**सहायक ग्रंथ :**


1. कबीर साखी : कबीर पारख संस्थान, प्रीतम नगर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. बीजक : लक्ष्मी प्रकाशन, बल्लीमरान, दिल्ली।
3. दास, डॉ. श्यामसुंदर; कबीर ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, पुरुषोत्तम; कबीर (साखी और सबद), नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली।
5. द्विवेदी, डॉ. हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नीलोत्पल (संपादक); कबीर दोहावली, प्रभात पेपर बैक्स, नयी दिल्ली।
7. द्विवेदी, केदारनाथ; कबीर और कबीर पंथ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तरी भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
9. बड़थ्वाल, पीतांबर दत्त; कबीर काव्य की निर्गुण धारा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. तिवारी, रामचंद्र; कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

**B.A. (Hons.) Hindi**

**सेमेस्टर VII – DSE**

**तुलसीदास**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE तुलसीदास | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- तुलसीदास के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास का आलोचनात्मक अध्ययन।
- तुलसी-साहित्य (बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका) का अध्ययन-विश्लेषण।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी तुलसीदास के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास के साहित्य को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका के महत्व को समझने में समर्थ होंगे।

**इकाई – 1 : तुलसीदास : युग एवं साहित्य** **(12 घंटे)**

- तुलसीदास का साहित्यिक योगदान
- भक्ति आंदोलन का स्वरूप और तुलसीदास
- रामभक्ति शाखा की विशेषताएं
- रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास
- भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास

**इकाई – 2 : श्री रामचरितमानस** (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(12 घंटे)**

- बालकांड : दोहा 201 से 205 तक (चौपाई सहित)
- सुंदरकांड : दोहा 3 से 10 तक (चौपाई सहित)

**इकाई – 3 : विनयपत्रिका** (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(9 घंटे)**

- पद संख्या – 100 से 110 तक

**इकाई – 4 : तुलसी-साहित्य की प्रवृत्तियां** **(12 घंटे)**

- तुलसीदास की भक्ति-भावना
- तुलसीदास की समन्वय-चेतना
- तुलसीदास की सामाजिक-चेतना
- रामचरितमानस में राम-सुग्रीव मैत्री-प्रसंग
- तुलसीदास का भाषा-शिल्प

**सहायक ग्रंथ :**


1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. गुप्त, माताप्रसाद; तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, उदयभानु; तुलसी (संपादित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, उदयभानु; तुलसी काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तिवारी, रामचंद्र; मध्ययुगीन काव्य-साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, गोपेश्वर; भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. राय, प्रो. अनिल; भक्ति संवेदना और मानव-मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
11. हाड़ा, माधव; तुलसीदास (संपादित), राजपाल एंड संस प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

**B.A. (Hons.) Hindi**

**सेमेस्टर VII – DSE**

**भारतेंदु हरिश्चंद्र**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE भारतेंदु हरिश्चंद्र | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि को समझाना।
- हिंदी सहित्य में भारतेंदु के योगदान को रेखांकित करना।
- नवजागरण तथा आधुनिक भावबोध की अवधारणा से परिचित करवाना।
- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत करवाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- नवजागरण एवं आधुनिक भावबोध की संकल्पना से परिचित हो सकेंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
- भारतेंदु युगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं में व्याप्त राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक बोध से परिचित हो सकेंगे।

**इकाई – 1 : आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि और भारतेंदु युग** **(12 घंटे)**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र का रचना संसार : सामान्य परिचय
- भारतेंदु युगीन परिस्थितियां
- भारतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां
- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण

**इकाई – 2 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : काव्य पक्ष एवं पत्रकारिता** **(9 घंटे)**

- गंगा वर्णन
- दशरथ विलाप
- मातृभाषा प्रेम से संबंधित दोहे – निज भाषा उन्नति, भ्रातगन आय
- मुकरियां – धन लेकर कहु, नहीं सखि चुंगी, सुंदर बानी, नहीं विद्यासागर

- संपादक के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र – बालाबोधिनी, हरिश्चंद्र मैग्जीन

**इकाई – 3 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : नाट्यपक्ष** **(12 घंटे)**

- अंधेर नगरी
- सत्य हरिश्चंद्र

**इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? (निबंध)
- दिल्ली दरबार दर्पण (निबंध)
- नाटक (निबंध )
- सरयूपार की यात्रा (यात्रा-संस्मरण)
- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (हास्य व्यंग्य)

**सहायक ग्रंथ :**


1. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. ब्रजरत्नदास; भारतेंदु हरिश्चंद्र, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. शंभुनाथ; हिंदी नवजागरण (भारतेंदु और उनके बाद), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. तनेजा, सत्येंद्र; नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. ब्रजरत्नदास (संकलनकर्ता), भारतेंदु ग्रंथावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. शर्मा, रामविलास; भारतीय नवजागरण और यूरोप, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B. A. (Hons.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

जयशंकर प्रसाद

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE जयशंकर प्रसाद | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- छायावाद के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की भूमिका और महत्व से परिचित करवाना।
- जयशंकर प्रसाद के कवि, नाटककार, निबंधकार एवं कथाकार रूप को समझाना।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- छायावाद और भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के अंतर्संबंधों से परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर यथार्थवादी-आदर्शवादी विचारधारा से परिचित हो सकेंगे।

**इकाई – 1 : जयशंकर प्रसाद का जीवनवृत्त** **(9 घंटे)**

- जीवन परिचय
- छायावाद और जयशंकर प्रसाद
- जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

**इकाई – 2 : काव्य** **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- अरी वरुणा की शांत कछार
- पेशोला की प्रतिध्वनि
- मुझको न मिला रे कभी प्यार
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 1, रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**इकाई – 3 : नाटक** **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की नाट्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- स्कंदगुप्त
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 2 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- काव्य और कला (निबंध)
- रंगमंच (निबंध)
- मधुआ (कहानी)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 4 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**सहायक ग्रंथ :**


1. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रेमशंकर; प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. गौतम, रमेश; नाटककार प्रसाद : तब और अब, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रोत्रिय, प्रभाकर; जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. चातक, गोविंद; प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाही, विनोद; जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. उपाध्याय, करुणाशंकर; जयशंकर प्रसाद : महानता के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रभाकर, विष्णु / शाह, रमेशचंद (संपादक); प्रसाद रचना संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

B.A. (Hons.) Hindi

Semester VII – DSE

महादेवी वर्मा

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE महादेवी वर्मा | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के योगदान से परिचय करवाना।
- महादेवी वर्मा का साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान रेखांकित करना।
- महादेवी वर्मा की रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के रचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।
- महादेवी वर्मा के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान की समझ विकसित होगी।
- महादेवी वर्मा के रचनात्मक कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

**इकाई – 1 : छायावाद और महादेवी वर्मा : सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- छायावाद : अर्थ, वैशिष्ट्य, स्वच्छंदतावाद और छायावाद
- छायावाद और महादेवी वर्मा
- स्वाधीनता आंदोलन में महादेवी वर्मा का योगदान
- संपादक के रूप में महादेवी वर्मा

**इकाई – 2 : महादेवी वर्मा : काव्य पक्ष** **(9 घंटे)**

- काव्य यात्रा
- वेदना तत्त्व, रहस्य भावना, सौंदर्य चेतना
- काव्य संवेदना
- काव्य शिल्प : भाषा, बिंब, प्रतीक, गीत

**इकाई – 3 : महादेवी वर्मा : गद्य पक्ष** **(12 घंटे)**

- स्त्री समस्या और आलोचना कर्म
- रेखाचित्रों का वैशिष्ट्य : कथ्य एवं शिल्प
- संस्मरण लेखन : विषयवस्तु एवं अभिव्यक्ति
- गद्य का वैशिष्ट्य

**इकाई – 4 : महादेवी वर्मा : पाठ आधारित अध्ययन** **(12 घंटे)**

- कविता : मैं नीर भरी दुःख की बदली, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
- आलोचना : आधुनिक नारी
- संस्मरणात्मक रेखाचित्र : सुभद्रा कुमारी चौहान
- परख : मेरा परिवार (पुस्तक)

**सहायक ग्रंथ :**


1. पांडेय, गंगा प्रसाद; महीयसी महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, सुरेश चंद्र; महादेवी की काव्य साधना, रीगल बुक डिपो, नयी दिल्ली।
3. गुप्त, डॉ. गणपतिचंद्र, महादेवी : नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. मदान, इंद्रनाथ (संपादक); महादेवी चिंतन और कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. गुप्त, जगदीश; महादेवी, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
7. सिंह, विजय बहादुर; महादेवी की कविता का नेपथ्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, रामचंद्र; महादेवी : साहित्य, कला, जीवन दर्शन, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, उत्तर प्रदेश।
9. गौतम, लक्ष्मण दत्त; महादेवी वर्मा कवि और गद्यकार, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, रामजी (संपादक); महादेवी और उनका काव्य, सरस्वती बुक डिपो।
11. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

B.A. (Hons.) Hindi

Semester VIII – DSE

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रयोगवाद से परिचित होना।
- अज्ञेय के रचना कर्म को समझना।
- साहित्यकार के रूप में अज्ञेय के योगदान से परिचित होना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत प्रयोगवादी साहित्यिक आंदोलन से परिचित होंगे।
- अज्ञेय के रचना-कर्म का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक लेखन हेतु अभिप्रेरित होंगे।

**इकाई – 1 : अज्ञेय का साहित्यिक योगदान** **(12 घंटे)**

- प्रयोगवाद और अज्ञेय
- प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य : सामान्य परिचय
- अज्ञेय का गद्य-साहित्य : सामान्य परिचय

**इकाई – 2 : अज्ञेय का कवि-कर्म** **(12 घंटे)**

- कलगी बाजरे की
- यह दीप अकेला

- जितना तुम्हारा सच है
- आज थका हिय हारिल मेरा
- शब्द और सत्य

**इकाई – 3 : अज्ञेय का कथा-साहित्य** **(12 घंटे)**

- शरणदाता (कहानी)
- खितीन बाबू (कहानी)
- अपने-अपने अजनबी (उपन्यास)

**इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएं** **(9 घंटे)**

- अज्ञेय : अपनी निगाह में (निबंध)
- बहता पानी निर्मला (यात्रा-संस्मरण)
- रूढ़ि और मौलिकता (आलोचना) (संवत्सर निबंध संग्रह में)

**सहायक ग्रंथ :**


1. पालीवाल, कृष्णदत्त; अज्ञेय के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
2. पालीवाल, कृष्णदत्त (संपादक); अज्ञेय के साक्षात्कार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
3. आचार्य, नंदकिशोर; अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा, वाग्देवी प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
4. सिंह, प्रेम; अज्ञेय : चिंतन और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. अज्ञेय; संवत्सर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. कुमार, संजीव; जैनेंद्र और अज्ञेय : सृजन का सैद्धांतिक नेपथ्य, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाह, रमेशचंद्र; वागर्थ का वैभव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. राय, रामकमल; शिखर से सागर तक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।


हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## VII Semester


| Sr. No. | Paper Type | Paper Name | Page No. |
|---|---|---|---|
| 1 | DSC-14 | • राम काव्य परंपरा | 2-3 |
| | | | |
| 2 | DSE (रचनाकार केंद्रित अध्ययन) | • मीरा | 4-5 |
| | | • घनानंद | 6-7 |
| | | • सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | 8-9 |
| | | • रघुवीर सहाय | 10-11 |
| | | • कृष्णा सोबती | 12-13 |
| | | • हरिशंकर परसाई | 14-15 |
| | | | |

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**

**BA (Prog) With Hindi**

**Sem VII – DSC14**

**राम काव्य परंपरा**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC14 राम काव्य परंपरा | 4 | 3 | 1 | — | VI सेमेस्टर उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी में राम काव्य की परंपरा का समुचित ज्ञान कराना।
- वर्तमान समय में राम कथा की राष्ट्रीय एकता में भूमिका से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी की राम काव्य परंपरा के विषय में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- राम कथा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना और मानव मूल्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई 1 : राम काव्य : परंपरा और विकास** **(9 घंटे)**

- हिंदी में राम काव्य परंपरा का विकास
- रामकथा और राष्ट्रीय भावात्मक एकता

**इकाई 2 : भक्तिकालीन राम काव्य** **(12 घंटे)**

- तुलसीदास : विनय पत्रिका (पद संख्या : 45, 156, 168) विनय पत्रिका, सं. हनुमान प्रसाद पोद्दार, नागरी प्रचारणी सभा
- केशवदास : रामचंद्रिका (छब्बीसवाँ प्रकाश - राम नाम महिमा - पद 135-142)

**इकाई 3 : रीतिकालीन राम काव्य** **(12 घंटे)**

- गुरु गोविंद सिंह : रामावतार (पद 616-622) दशम ग्रंथ-पहली सैंची, अनुवाद : डॉ. जोधसिंह, भुवन वाणी ट्रस्ट, लखनऊ-द्वितीय संस्करण-1990
- पद्माकर : राम के प्रति (पृष्ठ 211-213) {पद्माकर की काव्य साधना, अखोरी गंगाप्रसाद सिंह, साहित्य सेवा सदन, काशी, 1991 वि.}

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई 4 : आधुनिककालीन राम काव्य** **(12 घंटे)**

- मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (चतुर्थ सर्ग - 'यदि न आज वन जाऊँ मैं' से लेकर 'बना रहे वह, यह वर दो!' तक) - साकेत, मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य सदन, झांसी, वि. 2021
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : वैदेही वनवास (पद संख्या 46-53, तृतीय सर्ग), हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस, 1996 वि.

**सहायक ग्रंथ :**


1. मिश्र, डॉ. भगीरथ सं. (1987), रामकथा : विविध आयाम, डॉ. रामनाथ त्रिपाठी अभिनंदन समिति और राम-शोध-संस्थान, दिल्ली।
2. बुल्के, फादर कामिल (2019), रामकथा : उत्पत्ति और विकास, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. शम्भूनाथ (1974), रामकथा और नए प्रतिमान, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, वाराणसी।
4. महाराज, रामकुमार दास जी (1957), वेदों में रामकथा, सेठ श्री ब्रजमोहन दास जी विजय, शुजालपुर।


दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Prog.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

मीरा

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE मीरा | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान से अवगत कराना।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट जानकारी देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान को जान पाएंगे।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 : मीरा का जीवनवृत्त एवं समय** (12 घंटे)

- मीरा का जीवन (जन्म, विवाह, परिवार, शिक्षा-दीक्षा, मृत्यु)
- मीरा का समय (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियां)
- भक्ति आंदोलन एवं मीरा
- भारतीय भक्त कवियों में मीरा का स्थान

**इकाई – 2 : मीरा का साहित्यिक व्यक्तित्व** (12 घंटे)

- मीरा की रचनाएं
- प्रेम-भावना
- भक्ति-भावना (सगुण भक्ति, माधुर्य भक्ति, दांपत्य भक्ति, पाद सेवन, भजन-कीर्तन)
- विरह की अनुभूति (पूर्व-राग, मान, प्रवास)
- राजसत्ता का विरोध, स्त्री चेतना, लोक संस्कृति एवं परंपरा का चित्रण



हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : मीरा की काव्य-कला / अभिव्यक्ति विधान** **(9 घंटे)**

- भाषा-शैली
- गीतात्मकता / लयात्मकता
- छंद विधान एवं अलंकार विधान

**इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन** (मीरांबाई की पदावली – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, संपादक) **(12 घंटे)**

- पद संख्या – 3, 7, 10, 18, 19, 25, 32, 34, 36, 38, 44, 46, 48, 51, 66, 74 (कुल 16 पद)

**सहायक ग्रंथ :**


1. चतुर्वेदी, आचार्य परशुराम (संपादक); मीरांबाई की पदावली, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; मीरा का काव्य, हिंदुस्तान प्रिंटर्स, दिल्ली।
3. हाड़ा, माधव; पचरंग चोला पहर सखी री (मीरां का जीवन और समाज), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. पल्लव (संपादक); मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
5. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तर भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिन्हा, सावित्री; मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियां, आत्माराम एण्ड संस प्रकाशन, दिल्ली।
7. लाल, डॉ. श्रीकृष्ण; मीरांबाई (जीवन, चरित और आलोचना), हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज।
8. तिवारी, डॉ. भगवानदास; मीरां की भक्ति और उनकी काव्य-साधना का अनुशीलन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
9. श्रीवास्तव, प्रो. मुरलीधर; मीरां दर्शन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
10. माधव, डॉ. भुनेश्वरनाथ मिश्र; मीरा की प्रेम-साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।


हिन्दी विभाग
दिल्ली
दिल्ली विश्वविद्यालय

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## सेमेस्टर VII – DSE

## घनानंद

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE घनानंद | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी देना।
- घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित करना।
- घनानंद के काव्य-वैशिष्ट्य से परिचित करवाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- घनानंद के काव्य की विशिष्टाओं से परिचित होंगे।
- रीतिमुक्त काव्य परंपरा में घनानंद का महत्व समझ सकेंगे।

**इकाई – 1 : रीतिकालीन काव्य और घनानंद** **(12 घंटे)**

- रीतिकालीन काव्य पृष्ठभूमि, परिवेश एवं परिस्थितियां
- रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियां
- रीतिकालीन काव्यधारा और अन्य कवि
- स्वच्छंदतावादी काव्यधारा और घनानंद

**इकाई – 2 : घनानंद : व्यक्ति और रचनाकार** **(9 घंटे)**

- घनानंद का रचनाकार व्यक्तित्व एवं रचनाएं
- घनानंद के काव्य का आधार
- घनानंद का काव्य-वैशिष्ट्य : प्रेम और विरह की अभिव्यक्ति

**इकाई – 3 : घनानंद की काव्य-कला** **(12 घंटे)**

- घनानंद की कविता में प्रयुक्त काव्य रूप

दिल्ली विश्वविद्यालय

- घनानंद की काव्य भाषा और भाषा-संबंधी प्रयोग
- घनानंद के काव्य में उपमा, रूपक, बिंब एवं प्रतीक
- रीतिमुक्त का संदर्भ : भाव एवं शिल्प

**इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- घनानंद कवित्त – पद संख्या : 2, 5, 6, 7, 8, 12, 15, 24, 27, 39, 60, 71, 79, 82, 84, 90 (कुल 16 पद)

**सहायक ग्रंथ :**


1. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; घनानंद कवित्त, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुक्ल, रामदेव; घनानंद का काव्य, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. वशिष्ठ, राम; महाकवि घनानंद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. राय, लल्लन; घनानंद, साहित्य अकादमी प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, रामचंद्र; रस मीमांसा, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. गौड़, डॉ. मनोहर लाल; घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. लाल, किशोरी; घनानंद सुजान शतक, मधु प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. सिन्हा, डॉ. उषा; घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कीकत पब्लिकेशन, दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**

**B.A. (Prog.) Hindi**

**सेमेस्टर VII – DSE**

**सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को साहित्यकार के रूप में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना-दृष्टि से परिचित कराना।
- हिंदू नवोत्थान, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला साहित्य के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- आधुनिक हिंदी साहित्य में मुक्त छंद, नवीन अलंकार-योजना, अर्थ-गांभीर्य और लालित्य-सृजन के स्वरूप की जानकारी प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के रचनाकर्म से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी नवजागरण, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को रेखांकित कर सकेंगे।
- निराला साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ तत्कालीन हिंदी गद्य साहित्य के बदलते स्वरूप और भाषा-शिल्प प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 : हिंदू नवोत्थान, नवजागरण, छायावादी काव्य और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (12 घंटे)**

- हिंदू नवोत्थान : पृष्ठभूमि, प्रमुख चिंतक, रचनाएं और उनके विचार
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के साहित्य निर्माण की पृष्ठभूमि और साहित्य संबंधी दृष्टिकोण
- छायावादी कविता का सौंदर्य-विधान और निराला साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति

**इकाई – 2 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य-दृष्टि (9 घंटे)**

- स्वराज की जिजीविषा और निराला का काव्य
- छायावादी कविता का उत्कर्ष काल : निराला का प्रदेय
- स्वाधीनता के पश्चात निराला की साहित्य चेतना, भाषा एवं शिल्प में अभिनव प्रयोग

हिंदी विभाग
दिल्ली-7
दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': गद्य-साहित्य** **(12 घंटे)**

- हिंदी की प्रमुख गद्य-विधाएं और निराला का गद्य साहित्य
- पत्रकार 'निराला' : वैचारिक और सांस्कृतिक पक्ष
- कथा साहित्य में लोक जीवन की अभिव्यक्ति, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम
- भाषा और शिल्प-संरचना

**इकाई – 4 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- **कविता :** भारत वंदना, वर दे! वीणावादिनी, अभी न होगा मेरा अंत
- **निबंध :** खड़ीबोली के कवि और कविता, साहित्य का आदर्श
- **उपन्यास :** प्रभावती (व्याख्या हेतु, परिच्छेद 1 से 12 तक)
- **कहानी :** देवी, भक्त और भगवान
- **संस्मरण :** महर्षि दयानंद सरस्वती और युगांतर

**सहायक ग्रंथ :**


1. नवल, नंद किशोर (संपादक); निराला रचनावली (भाग 1 से 8), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरस्वती, स्वामी दयानंद; सत्यार्थ प्रकाश, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; कवि निराला, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. शर्मा, रामविलास; निराला की साहित्य साधना (तीन खंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. दीक्षित, सूर्यप्रसाद; निराला समग्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, दूधनाथ; निराला : आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Prog.) Hindi

सेमेस्टर VII – DSE

रघुवीर सहाय

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE रघुवीर सहाय | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को रचनाकार के रूप में रघुवीर सहाय के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित कराना।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की जानकारी प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी रघुवीर सहाय के साहित्यिक योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को समझेंगे।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर रचनाशीलता और रघुवीर सहाय : सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : परिवेश एवं पृष्ठभूमि
- नयी कविता, साठोत्तरी कविता, अकविता, समकालीन कविता
- रघुवीर सहाय का रचनात्मक योगदान : पत्रकारिता, कहानी, बाल साहित्य, नाटक, समीक्षा और अनुवाद साहित्य
- रघुवीर सहाय की रचनाशीलता : सामाजिक आधार

**इकाई – 2 : रघुवीर सहाय : काव्य पक्ष** **(9 घंटे)**

- रघुवीर सहाय की वैचारिक पृष्ठभूमि, काव्य की अंतर्वस्तु और कविता संबंधी विचार
- रघुवीर सहाय की कविता के मुख्य सरोकार : स्त्री, जाति, राजनीति और भाषा
- रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा एवं शिल्प

दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : रघुवीर सहाय : पत्रकारिता एवं कहानियां** **(12 घंटे)**

- दिनमान और रघुवीर सहाय : रघुवीर सहाय की पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएं
- हिंदी पत्रकारिता की नयी शब्दावली और भाषा
- नयी कहानी आंदोलन और रघुवीर सहाय, रघुवीर सहाय की कहानियां : प्रयोग और मूल्य
- कहानियों की शिल्प-संरचना

**इकाई – 4 : रघुवीर सहाय : पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- **कविता :** स्वाधीन व्यक्ति, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, अधिनायक, हिंदी
- **कहानी :** रास्ता इधर से है, ग्यारहवीं कहानी
- **साहित्यिक लेख :** परंपरा और प्रगति, चुनौती साहित्य देता है
- **पत्रकारिता :** मध्यवर्ग – हिंसा में मनोरंजन का नया विषय

**सहायक ग्रंथ :**


1. शर्मा, सुरेश (संपादक); रघुवीर सहाय रचनावली (खंड 1 से 6), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, सुरेश; रघुवीर सहाय का कवि-कर्म, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, नामवर, कहानी नयी कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. जोशी, मनोहर श्याम, रचनाओं के बहाने एक स्मरण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. वाजपेयी, अशोक, कवि कह गया है, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नागर एवं जैदी, विष्णु एवं असद (संपादक); रघुवीर सहाय, आधार प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. मिश्र, अच्युतानंद; तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान (अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती), राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
9. नागर, विष्णु; असहमति में उठा एक हाथ (रघुवीर सहाय की जीवनी), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## सेमेस्टर VII – DSE

## कृष्णा सोबती

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE कृष्णा सोबती | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को हिंदी कहानी लेखन की संक्षिप्त परंपरा और उसमें कृष्णा सोबती के साहित्यिक अवदान से परिचित करना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी स्त्री लेखन के गांभीर्य को समझेंगें।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित होंगे।

**इकाई – 1 : कृष्णा सोबती का रचनाकर्म और परिवेश** **(9 घंटे)**

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की विकास यात्रा
- हिंदी में स्त्री लेखन की परंपरा और कृष्णा सोबती का स्थान
- कृष्णा सोबती का रचनाकार जीवन और परिवेश

**इकाई – 2 : कृष्णा सोबती का कथा साहित्य : पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- मित्रो मरजानी (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- ऐ लड़की (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- सिक्का बदल गया
- दादी-अम्मा

दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : कृष्णा सोबती का कथेतर साहित्य : पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- **निबंध :** भारतीय संस्कृति और बदलते मूल्य (हम हशमत, भाग 4)
- **यात्रावृत्तांत :** बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख' (व्याख्येय अंश, पृष्ठ संख्या 5 से 26)
- **संस्मरण :** जयदेव (शब्दों के आलोक में)
- **आत्मकथात्मक अंश :** मैं, मेरा समय और मेरा रचना संसार (सोबती : एक सोहबत)

**इकाई – 4 : आलोचनात्मक दृष्टि** **(12 घंटे)**

- नई कहानी आंदोलन में कृष्णा सोबती का योगदान
- स्त्री विमर्श और कृष्णा सोबती का कथा-संसार
- कृष्णा सोबती के साहित्य में विभाजन की त्रासदी और मानवीय संबंधों का चित्रण
- कृष्णा सोबती की भाषा-शैली (कहानी, उपन्यास और अन्य गद्य विधाओं के संदर्भ में)

**सहायक ग्रंथ :**


1. सोबती, कृष्णा; मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सोबती, कृष्णा; बादलों के घेरे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सोबती, कृष्णा; बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सोबती, कृष्णा; ऐ लड़की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सोबती, कृष्णा; हम हशमत (भाग 4), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. सोबती, कृष्णा; शब्दों के आलोक में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. सोबती, कृष्णा; सोबती : एक सोहबत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. माधव, नीरजा; हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास (1857-1947), सामयिक बुक्स, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर, कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
10. राठी, गिरधर; दूसरा जीवन : कृष्णा सोबती की जीवनी, सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
12. Paul & Sethi, Sukrita & Rekha (Editor); Krishna Sobti: A Counter Archive, Routledge India.
13. वर्मा, कंचन; साझी संस्कृति, देश-विभाजन और कृष्णा सोबती का रचना संसार, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
14. सिंह, सुधा / चतुर्वेदी, जगदीश्वर (संपादक); हिंदी साहित्येतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, स्त्री-अस्मिता और साहित्य, हंस प्रकाशन, दिल्ली।


हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
## B.A. (Prog.) Hindi
## सेमेस्टर VII – DSE
## हरिशंकर परसाई

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE हरिशंकर परसाई | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं से परिचित कराना।
- विधा के रूप में व्यंग्य के महत्व को समझाना।
- व्यंग्यकार के रूप में हरिशंकर परसाई के योगदान से परिचय कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में व्यंग्यात्मक साहित्य के सामाजिक राजनीतिक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों की पहचान होगी।
- हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

**इकाई – 1 : हरिशंकर परसाई और व्यंग्य साहित्य** **(12 घंटे)**

- व्यंग्य का अर्थ एवं परिभाषा
- हास्य और व्यंग्य में अंतर
- हिंदी व्यंग्य की परंपरा और हरिशंकर परसाई का स्थान
- प्रमुख हिंदी व्यंग्यकार : श्रीलाल शुक्ल, शरद जोशी, सूर्यबाला

**इकाई – 2 : हरिशंकर परसाई का रचनात्मक वैशिष्ट्य** **(9 घंटे)**

- हरिशंकर परसाई : व्यक्ति और रचना-कर्म
- हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन की विशेषताएं : कथ्य और शिल्प
- हरिशंकर परसाई का कॉलम लेखन : 'कल्पना' से 'देशबंधु' तक

**इकाई – 3 : व्यंग्य निबंधकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- **निबंध :** कर कमल हो गए, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, अकाल-उत्सव, विकलांग श्रद्धा का दौर, बेईमानी की परत (प्रतिनिधि व्यंग्य : हरिशंकर परसाई)

**इकाई – 4 : कथाकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- **कहानी :** सुदामा के चावल
- **उपन्यास :** रानी नागफनी की कहानी (व्याख्या हेतु प्रथम 50 पृष्ठ)

**सहायक ग्रंथ :**


1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हरिशंकर परसाई देश के इस दौर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, विजय (संपादक); कथा शिखर हरिशंकर परसाई, कौटिल्य बुक्स, दिल्ली।
3. प्रसाद, कमला (संपादक); आँखन देखी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, सेवाराम; हरिशंकर परसाई : पुनर्पाठ और पुनर्विचार, न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. प्रकाश, स्वयं; हमसफ़रनामा, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
6. परसाई, हरिशंकर; पूछो परसाई से, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. पल्लव (संपादक); शताब्दी स्मरण : हरिशंकर परसाई विशेषांक, बनास जन, अंक 62, 2023, दिल्ली।
8. परसाई, हरिशंकर; प्रतिनिधि व्यंग्य, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## VIII Semester


| Sr. No. | Paper Type | Paper Name | Page No. |
|---|---|---|---|
| 1 | DSC-15 | • हिंदी निबंध | 2-3 |
| | | | |
| 2 | DSE (रचना केंद्रित अध्ययन) | • रंगभूमि | 4-5 |
| | | • श्रृंखला की कड़ियां | 6-7 |
| | | • दोहरा अभिशाप | 8-9 |
| | | • एक दुनिया : समानांतर | 10-11 |
| | | • परंपरा का मूल्यांकन | 12-13 |
| | | | |

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

BA (Prog) With Hindi

Sem VIII – DSC15

हिंदी निबंध

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC15 हिंदी निबंध | 4 | 3 | 1 | — | VII सेमेस्टर उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- निबंध के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- निबंध की सर्वांगीण समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी निबंध के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी निबंध की शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी निबंध : स्वरूप और विकास** (9 घंटे)

- निबंध की परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी निबंध का संक्षिप्त इतिहास

**इकाई 2 : हिंदी निबंध पाठ 1** (12 घंटे)

- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य
- अध्यापक पूर्ण सिंह : आचरण की सभ्यता

**इकाई 3 : हिंदी निबंध पाठ 2** (12 घंटे)

- हजारी प्रसाद द्विवेदी : देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

**इकाई 4 : हिंदी निबंध पाठ 3** (12 घंटे)

- वासुदेव शरण अग्रवाल – संस्कृति का स्वरूप
- नर्मदा प्रसाद उपाध्याय – कुंभ : मनुष्यता की अमर यात्रा का संकल्प पर्व

**सहायक ग्रंथ :**


1. माचवे, प्रभाकर; हिंदी निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. जिज्ञासु, मोहनलाल; हिंदी गद्य का विकास, मेहरचंद लक्ष्मणदास, दिल्ली।
3. भारद्वाज, विदुषी; हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राधा पब्लिकेशन।
4. मिश्र, विभुराम; ज्योतिश्वर मिश्र, प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
## B.A. (Prog.) Hindi
## सेमेस्टर VIII – DSE
## रंगभूमि

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE रंगभूमि | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास की परंपरा से परिचय करवाना।
- प्रेमचंद के व्यक्तित्व, विचार एवं रचना-संसार से परिचय करवाना।
- उपन्यास के तत्वों का ज्ञान और उनके आधार पर विशिष्ट कृति का अध्ययन करवाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में प्रेमचंद के शब्द और कर्म से परिचित हो सकेंगे।
- यथार्थवाद, आदर्शवाद, गांधीवाद, सत्याग्रह जैसे पदों से परिचित हो सकेंगे।
- रंगभूमि के संदर्भ में उपन्यास के विभिन्न तत्वों की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 : रचनाकार एवं युग परिचय** **(9 घंटे)**

- प्रेमचंद : शब्द और कर्म (कथाकार, संपादक, विचारक)
- युगीन परिस्थितियां
- हिंदी उपन्यास की परंपरा और प्रेमचंद के उपन्यासों के विषय : एक परिचय

**इकाई – 2 : अंतर्वस्तु का विन्यास** **(12 घंटे)**

- कथानक
- केंद्रीय समस्या
- पात्र-योजना
- दृष्टिबाधित समाज : सामाजिक समायोजन की समस्याएं

**इकाई – 3 : कृति का पाठ** **(12 घंटे)**

- युगीन संदर्भ (स्वाधीनता आंदोलन, गांधीवाद, सत्याग्रह, अहिंसा)
- सूरदास पर गांधी की छाया
- औपनिवेशिक सत्ता संरचना, भूमि अधिग्रहण, विकास का मॉडल
- आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

**इकाई – 4 : रंगभूमि : कथा-कौशल** **(12 घंटे)**

- औपन्यासिक शिल्प
- भाषा, बिंब, प्रतीक, दृश्यात्मकता
- संवाद-योजना
- रंगभूमि की महाकाव्यात्मकता

**सहायक ग्रंथ :**


1. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन, कोलकाता।
2. राय, अमृत; प्रेमचंद : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोपाल, मदन; कलम का मजदूर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरस; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. तलवार, वीर भारत; किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. आचार्य, नंदकिशोर (संपादक); प्रेमचंद का चिंतन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
8. गिरि, राजीव रंजन; अथ : साहित्य पाठ और प्रसंग, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## सेमेस्टर VIII – DSE

## शृंखला की कड़ियां

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE शृंखला की कड़ियां | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा के निबंध साहित्य में स्त्री-संबंधी विचारों से अवगत कराना।
- स्त्री-विमर्श के क्षेत्र में 'शृंखला की कड़ियां' के वैचारिक अवदान से परिचित कराना।
- महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में स्थिति और विविध समस्याओं से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में दशा और दिशा से परिचित होंगे।
- विचारात्मक निबंध विधा की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
- स्त्री-प्रश्न पर सामूहिक विमर्श की पूर्व-पीठिका के रूप में 'शृंखला की कड़ियां' के महत्व को समझ सकेंगे।

**इकाई – 1 : महादेवी वर्मा की रचनात्मकता और उनका समय** **(9 घंटे)**

- छायावाद की पृष्ठभूमि और महादेवी वर्मा का लेखन
- हिंदी नवजागरण और स्त्री प्रश्न
- संपादक महादेवी : विचार और वैशिष्ट्य

**इकाई – 2 : शृंखला की कड़ियां : वैचारिक और शिल्पगत अध्ययन** **(12 घंटे)**

- शृंखला की कड़ियां : संवेदना और यथार्थ
- शृंखला की कड़ियां और स्त्री विमर्श
- भारतीय सामाजिक-आर्थिक संरचना और शृंखला की कड़ियां
- शृंखला की कड़ियां : भाषा और शिल्प संरचना

**इकाई – 3 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- समाज और व्यक्ति
- नारीत्व का अभिशाप
- घर और बाहर
- हमारी समस्याएं

**इकाई – 4 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- हमारी शृंखला की कड़ियां
- युद्ध और नारी
- आधुनिक नारी
- स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न

**सहायक ग्रंथ :**


1. अनामिका; स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. शर्मा, क्षमा; स्त्रीत्व-विमर्श : समाज और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, प्रो. सुधा; स्त्री संदर्भ में महादेवी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
5. पालीवाल, कृष्णदत्त; नवजागरण और महादेवी के रचनाकर्म में स्त्री विमर्श के स्वर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. जोशी, गोपा; भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
8. अग्रवाल, रोहिणी; स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन (संपादक); स्त्री मुक्ति : यथार्थ और यूटोपिया, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## सेमेस्टर VIII – DSE

## दोहरा अभिशाप

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE दोहरा अभिशाप | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को आत्मकथा विधा की जानकारी प्रदान करना।
- समाज के अध्ययन के लिए आत्मकथा के महत्व को रेखांकित करना।
- 'दोहरा अभिशाप' की पाठगत विशिष्टताओं का अध्ययन कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी आत्मकथा की विधागत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्य अध्ययन में आत्मकथा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- 'दोहरा अभिशाप' पाठ के विभिन्न पक्षों की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 : आत्मकथा का परिचय, इतिहास और विकास** **(9 घंटे)**

- आत्मकथा विधा, अस्मितामूलक साहित्य और कौशल्या बैसंत्री
- आत्मकथा परंपरा और विकास
- दलित स्त्रीवाद के संदर्भ में 'दोहरा अभिशाप'
- आत्मकथा के इतिहास में 'दोहरा अभिशाप'

**इकाई – 2 : दोहरा अभिशाप : पाठपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- दलित समाज का ऐतिहासिक संघर्ष
- भारतीय सामाजिक संरचना : दलित समाज, जातिवाद और पितृसत्ता
- दोहरा अभिशाप : दलित स्त्री की संघर्षशीलता
- स्त्री आत्मकथा लेखन की विशेषताएं

दिल्ली विश्वविद्यालय

**इकाई – 3 : दोहरा अभिशाप : समाजपरक अध्ययन** **(12 घंटे)**

- दलित समाज में मध्यवर्ग का उदय
- दलित स्त्रीवाद का उदय
- दोहरा अभिशाप में चित्रित समय और समाज
- संस्कृतिकरण की जटिलताएं और दलित समाज

**इकाई – 4 : दोहरा अभिशाप : कौशल्या बैसंत्री के आत्मकथा लेखन का वैशिष्ट्य** **(12 घंटे)**

- नए दृश्य बिंब और कहन की भंगिमा
- दलित स्त्री आत्मकथा की भाषा
- रचना शिल्प (आत्मकथा या समाजकथा)
- आत्मकथा मूल्यांकन की समस्याएं और 'दोहरा अभिशाप'

**सहायक ग्रंथ :**


1. मीणा, उमा; आत्मकथा साहित्य : स्मृतियों का प्रत्याख्यान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
2. चंद्र, सुरेश (संपादक); हिंदी दलित-आत्मकथा साहित्य का मूल्यांकन (खंड 1), अमन प्रकाशन, कानपुर।
3. नैमिशराय, मोहनदास (संपादक); एक सौ दलित आत्मकथाएं : इतिहास एवं विश्लेषण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, तेज (संपादक); अंबेडकरवादी स्त्री-चिंतन (सामाजिक शोषण के खिलाफ आत्मवृत्तात्मक संघर्ष), स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, डॉ. रामगोपाल; सामाजिक न्याय एवं दलित संघर्ष, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. तिलक, रजनी (संपादक); समकालीन भारतीय दलित महिला लेखन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. भारती, अनीता; समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. राम, नरेश राम; दलित स्त्रीवाद की आत्मकथात्मक अभिव्यक्ति, नई किताब प्रकाशन, दिल्ली।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

## B.A. (Prog.) Hindi

## सेमेस्टर VIII – DSE

## एक दुनिया : समानांतर

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE एक दुनिया : समानांतर | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को नई कहानी आंदोलन से परिचित करवाना।
- आजादी के बाद की कहानियों में अभिव्यक्त नए यथार्थ से अवगत करवाना।
- राजेंद्र यादव के साहित्यिक दृष्टिकोण से परिचित करवाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी नई कहानी आंदोलन से परिचित हो सकेंगे।
- आजादी के बाद की बदली हुई सामाजिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका को समझ सकेंगे।

**इकाई – 1 : नई कहानी का उदय** **(9 घंटे)**

- नई कहानी आंदोलन की पृष्ठभूमि
- नई कहानी का स्वरूप और विकास
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका और दृष्टिकोण

**इकाई – 2 : 'एक दुनिया : समानांतर' में चयन की प्रासंगिकता** **(12 घंटे)**

- यथार्थ की अभिव्यक्ति
- विषय वैविध्य, कथ्य परिवर्तन एवं उपयोगिता
- विडंबना और व्यंग्य
- भाषा और शिल्प की विशिष्टता

**इकाई – 3 : पाठपरक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- जिंदगी और जोंक – अमरकांत
- खोई हुई दिशाएं – कमलेश्वर
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

**इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- यही सच है – मन्नू भंडारी
- टूटना – राजेंद्र यादव
- प्रेत मुक्ति – शैलेश मटियानी
- एक और जिंदगी – मोहन राकेश

**सहायक ग्रंथ :**


1. यादव, राजेंद्र; एक दुनिया समानांतर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, नामवर; कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. यादव, राजेंद्र; कहानी : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. त्रिपाठी, छविनाथ; कहानी कला और उसका विकास, साहित्य सदन, देहरादून।
7. मार्कण्डेय; कहानी की बात, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अवस्थी, देवीशंकर; नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।


दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
## B.A. (Prog.) Hindi
## सेमेस्टर VIII – DSE
## परंपरा का मूल्यांकन

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Pre-requisite of the course (if any) | Content of Course and reference is in |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE परंपरा का मूल्यांकन | 4 | 3 | 1 | — | 12वीं उत्तीर्ण | Annexure |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- हिंदी सहित देश की हजारों वर्षों की साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का अध्ययन कराना।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि के साथ-साथ परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी सहित देश की अन्य साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का ज्ञान होगा।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि, परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध होगा।

**इकाई – 1 : रामविलास शर्मा का रचनाकर्म** **(9 घंटे)**

- रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक प्रतिमान : लोकजागरण, नवजागरण, हिंदी जाति
- रामविलास शर्मा की परंपरा संबंधी अवधारणा
- रामविलास शर्मा की इतिहास-दृष्टि

**इकाई – 2 : भारतीय परंपरा, हिंदी भाषा और साहित्य** **(12 घंटे)**

- रामविलास शर्मा का 'भाषा', 'समाज' और 'संस्कृति' संबंधी चिंतन
- भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
- रीतिकाल की अवधारणा

दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

- आधुनिकता की अवधारणा

**इकाई – 3 : पाठपरक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- परंपरा का मूल्यांकन
- हिंदी जाति के सांस्कृतिक इतिहास की रूपरेखा
- संत-साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
- तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य

**इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- रीतिकालीन काव्य-परंपरा
- भारतेंदु हरिश्चंद्र
- प्रेमचंद
- साहित्य में लोकजीवन की प्रतिष्ठा और जयशंकर प्रसाद

**सहायक ग्रंथ :**


1. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. त्रिपाठी एवं प्रकाश, विश्वनाथ एवं अरुण (संपादक); हिंदी के प्रहरी : डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह एवं त्रिपाठी, विजय बहादुर एवं राधा वल्लभ (संपादक); संस्कृति के प्रश्न और रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. शिशिर, कर्मेंदु; डॉ. रामविलास शर्मा : नवजागरण एवं इतिहास लेखन, विभा प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. शंभुनाथ; राष्ट्रीय पुनर्जागरण और रामविलास शर्मा, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, प्रो. सुधा; आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; रामविलास शर्मा : परवर्ती पूंजीवाद और साहित्येतिहास की समस्याएं, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
8. वसुधा (पत्रिका), अंक – 51 (रामविलास शर्मा पर केंद्रित)


हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय